मोदी से भेंट कर जापानी कंपनियों के सीईओ हुए उनके मुरीद, भारत के भविष्य को बताया उज्जवल

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 160 दिनांक:24-05-2022 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बाइडन की मौजूदगी में पीएम मोदी का चीन को कड़ा संदेश; दिया 3टी फार्मूला,

मक्खन पर नहीं पत्थर पर लकीर खींचता हूं मेरे संस्कार ही ऐसे हैं: पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुझे मक्खन पर लकीर खींचने में मजा नहीं आता, पत्थर पर लकीर खींचता हूं। मुझे संस्कार ही कुछ ऐसे मिले हैं कि हमेशा बड़ी चुनौतियों और लक्ष्यों के लिए काम करता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने जापान में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज भारत जब आजादी के 75 सालों को जश्न मना रहा है तो हम आने वाले 25 सालों की योजना भी तैयार कर रहे हैं। हमने बहुत बड़े संकल्प लिए हैं, जो कठिन लगते हैं। लेकिन मुझे जो संस्कार मिले हैं और जिन लोगों ने मुझे गढ़ा है, उससे मेरी एक आदत पड़ गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मुझे मक्खन पर लकीर खींचने में मजा नहीं आता, पत्थर पर लकीर खींचता हूं। मेरे साथ 130 करोड़ देशवासियों का आत्मविश्वास, संकल्प और सपने हैं। इन्हें पूरा करने का विराट सामर्थ्य हमारे पास है और इसका परिणाम जरूर आएगा।' उन्होंने कहा कि बीते दो सालों में ग्लोबल सप्लाई चेन को नुकसान पहुंचा है और उस पर सवाल खड़े हुए हैं। हम इस संकट से भविष्य में बचने के लिए आत्मनिर्भरता के संकल्प की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा यह निवेश सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि ग्लोबल चेन के लिए है। आज पूरी दुनिया को अहसास हो रहा है कि भारत जिस स्पीड और स्केल पर काम कर सकता है, वह अभूतपूर्व है। दुनिया ने यह भी देखा है कि कैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर और संस्थाओं के निर्माण के लिए तेजी से हम काम कर रहे हैं। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट समेत कई परियोजनाएं भारत और जापान के सहयोग के उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत में बदलावों की वजह यह है कि हमने एक सशक्त लोकतंत्र की पहचान बनाई है और लोगों को डिलिवरी हो रही है। आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से वे लोग भी जुड़ रहे हैं, जो कभी गर्व से यह नहीं मानते थे कि वे भी हिस्सा हैं। भारत के चुनावों में अब पुरुषों से ज्यादा महिलाएं वोट डाल रही हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत में डेमोक्रेसी सामान्य नागरिकों के हकों के प्रति कितनी सजग और समर्पित है।

सरकार जल्द ही सभी दलों की राय लेने के बाद जातिगत जनगणना पर काम शुरू करेगी - नीतीश कुमार

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा है कि उनकी सरकार जल्द ही सभी दलों की राय लेने के बाद जातिगत जनगणना पर काम शुरू करेगी। जाति आधारित जनगणना पर सर्वदलीय बैठक 27 मई को होने की संभावना है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, ठजातिगत जनगणना को लेकर सभी के विचार जानने के मकसद से हम एक सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे। इसके बाद वह प्रस्ताव राज्य कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। हमने यह बैठक 27 मई को आयोजित करने को लेकर कुछ पार्टियों से बात की है, लेकिन फिलहाल कुछ पार्टियों के जवाब का इंतज़ार है। अंतिम निर्णय हो जाने के बाद प्रस्ताव कैबिनेट के पास जाएगा, और फिर हम काम शुरू कर देंगे।ठ

नीतीश कुमार ने कहा, ठहमने प्रत्येक पार्टी से बात शुरू कर दी है। सभी सहमत नहीं हैं। हमें उनके जवाब की प्रतीक्षा है।ठ

असम में रास्ते ब्लॉक होने के कारण सुविधाएं पहुंचाने में दिक्कतें

कई दिनों से कैंपों में रह रहे लोग

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम में इनदिनों हो रही भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की चपेट में है। व्यापक आपदा के परिणामस्वरूप अब तक 24 लोगों की जान चली गई है, वहीं 22 जिलों में बाढ़ की लहर में सात लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। नागांव जिला तीन लाख से अधिक नागरिकों के प्रभावित होने के बाद सबसे बुरी तरह तबाह हुआ है। बाढ़ ने लोगों की जिंदगियां बर्बाद कर दी है। हफ्तों से लोग बेघर घूम रहे हैं, कैंपों में खाना खा रहे हैं। सड़कों पर पानी भर गए हैं। जो जहां है, वहीं कैद हो गया हैं। बाढ़ से स्थिति काफी खराब हो गई हैं।

रास्ते ब्लॉक होने के कारण सुविधाएं भी पहुंचाने में दिक्कतें हो रही हैं। कछार जिले में भी दो लाख से अधिक लोग संकट में हैं। करोड़ों गांव पानी के भीतर डूब गए हैं और इस क्षेत्र में भारी बारिश का कहर जारी है, जिससे हालात और खराब हो रहे हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के अनुसार, इस कठिन समय में राहत प्रदान करने के लिए बनाए गए शिविरों में लगभग एक लाख लोगों को आश्रय और सहायता दी गई है।

प्राधिकरण ने कहा कि कई जिलों में आई बाढ़ के कारण बारपेटा, बिश्वनाथ, कछार, दरांग, ग्वालपारा, गोलाघाट, हैलकांडी, जोरहाट, कामरूप, कार्बी आंगलोंग पश्चिम, करीमगंज, लखीमपुर, मजूरी, मोरीगांव, नगांव, सोनितपुर और उदालगुरी आदि जिलों में 7,19,540 लोग प्रभावित हैं। नगांव सैलाब की वजह से बुरी तरह प्रभावित है, जहां 3.46 लाख लोग संकट में हैं। इसके बाद कछार में 2.29 लाख और होजाई में 58 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। प्राधिकरण ने कहा कि फिलहाल 2095 गांव पानी में डूबे हुए हैं, जबकि 95,473.51 हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसल नष्ट हो गई है।

इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि इस पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित मुद्दों पर भारतीय राष्ट्रीय राजमर्ग प्राधिकरण की अध्यक्ष अलका उपाध्याय से बातचीत की। उन्होंने ट्वीट किया, मैंने बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित राष्ट्रीय राजमार्गों की तत्काल मरम्मत एवं वर्तमान परियोजनाओं के समय से पूरा करने पर जोर दिया।

कुतुबमीनार परिसर में कोई भी खुदाई नहीं होगी : सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र ने उन रिपोर्ट्स को नकारा हैं, जिनमें कुतुबमीनार परिसर की खुदाई की बात कही गई। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जीके रेड्डी ने कहा कि मंत्रालय ने इस तरह का कोई आदेश जारी नहीं किया है। इससे पहले रिपोर्ट थी कि मंत्रालय ने इस तरह के आदेश देने के साथ कुतुबमीनार परिसर में मूर्तियों की आइकोनोग्राफी कराए जाने का भी निर्देश दिया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री रेड्डी ने कहा कि भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण यानी एएसआई की ओर से कुतुबमीनार परिसर में कोई भी खुदाई नहीं की जाएगी। अब तक इस बारे में मंत्रालय ने कोई भी निर्णय नहीं लिया है।

ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के साथ ही कुतुब मीनार को लेकर भी विवाद सामने आया। एएसआई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशन धर्मवीर शर्मा ने दावा किया है कि कुतुब मीनार नहीं बल्कि एक सन टावर (वेधशाला टावर) है। इसका निर्माण कुतुब अल-दीन ऐबक द्वारा नहीं बल्कि 5वीं शताब्दी में राजा विक्रमादित्य द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि इस बारे में मेरे पास काफी सबूत हैं, और एएसआई की तरफ से मैंने कई बार कुतुब मीनार का सर्वे किया है। कुतुब मीनार की मीनार में 25 इंच का झुकाव है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसे सूर्य का निरीक्षण करने के लिए बनाया गया था। 21 मई को संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने तीन इतिहासकारों, चार एएसआई अधिकारियों और शोधकर्ताओं के साथ साइट का दौरा किया। एएसआई के अधिकारियों ने सचिव को बताया कि कुतुब मीनार परिसर में 1991 के बाद से खुदाई का काम नहीं हुआ है।

इससे पहले, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने दावा किया था कि कुतुब मीनार वास्तव में 'विष्णु स्तम्भ' था और संरचना का निर्माण 27 हिंदू-जैन मंदिरों को ध्वस्त करने के बाद प्राप्त सामग्री से किया गया था। बीते दिनों हिंदू संगठनों ने कुतुबमीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ करने की मांग को लेकर कुतुबमीनार के ठीक सामने प्रदर्शन किया।

पंजाब में रेल पटरियां उड़ाने की साजिश कर रहा पाकिस्तान अलर्ट जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) की तरफ से भारत के खिलाफ नई साजिश रचने के संकेत मिले हैं। खबर है कि घ्एघ पंजाब और आसपास के राज्य में रेल नेटवर्क को निशाना बनाने की साजिश की है। हाल ही में पंजाब के मोहाली में पुलिस कार्यालय में रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) हमला हुआ था। हालांकि, उस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन इमारत को नुकसान हुआ था। पाकिस्तान की आईएसआई के संबंध में अलर्ट जारी किया है। खबर है कि पाकिस्तान पंजाब और आसपास के राज्यों में रेलवे की पटरियों को निशाना बनाने की बड़ी साजिश रच रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसियों का कहना है कि मालगाड़ियों को निशाना बनाने के लिए पटरियों को उड़ाने का प्लान तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंसियों ने यह भी कहा है कि आईएसआई भारत में बड़ा पैमाने पर अपने ऑपरेटिव्स को मदद पहुंचा रहा है। वेबसाइट के अनुसार, पाकिस्तान के स्लीपर सेल्स भारत में मौजूद हैं और उन्हें आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मोटी रकम दी जा रही है।

बीकेयू में दरार के बाद टिकैत बंधुओं पर नई मुसीबत, सरकारी जमीन हड़पने के आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) में दरार पड़ गई है जिसके चलते टिकैत बंधुओं के सामने नई मुसीबत आ गई है। दोनों किसान नेताओं पर सरकारी जमीन हड़पने के आरोप लगे हैं। आधिकारी का कहना है कि मामले में जांच शुरू की जाएगी। वहीं, शिकायतकर्ता का कहना है कि अगर कार्रवाई नहीं की गई तो मामले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने उठाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के सिसौली गांव में रहने वाले राहुल मुखिया ने राकेश टिकैत और नरेश टिकैत पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाए हैं कि इस संबंध में शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा, 'एक दशक पहले सरकार की तरफ से सिसौली गांव में जमीन का हिस्सा तालाब के लिए आवंटित किया गया था। हालांकि, टिकैत भाइयों ने तालाब को मिट्टी से भर दिया और अवैध रूप से रहवासीय संपत्ति का निर्माण कर लिया है। मैंने इस मामले में लिखित रूप से जिला स्तर पर अधिकारियों को सूचित किया है और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉक्टर संजीव बालियान को भी अवगत कराया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।'

बिहार में बढ़ी सियासी हलचल, नीतीश ने अपने विधायकों को दिया अगले 72 घंटे पटना न छोड़ने का निर्देश

पटना (ईएमएस)। बिहार में इन दिनों सियासी हलचल तेज हो गई है। पिछले दिनों लालू यादव के घर पर बड़े सीबीआई छापों पर जिस तरह नीतीश कुमार ने अलग रूख अपनाया है। उसके बाद नीतीश के भाजपा छोड़ने और लालू के साथ जाने के कयास और तेज हो गए हैं। एनडीए गठबंधन की सरकार चला रहे नीतीश कुमार ने जेडीयू विधायकों को अगले 72 घंटे पटना में ही रहने का फरमान सुनाया है। सीएम नीतीश कुमार लगातार विधायकों से मुलाकातें कर रहे हैं। जिसके बाद से ही सूबे में बड़े सियासी उलटफेर की अटकलें तेज हो गई हैं।

नीतीश कुमार ऐसे राजनेता हैं जिनको लेकर हमेशा कोई न कोई कयास चलता ही रहता है। कभी कहा जाता है कि वह विपक्ष के प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाए जाएंगे तो कभी उनके राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनाए जाने की बात सामने आती है। नीतीश के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनाए जाने की बात सामने आने लगी हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नीतीश की चाह राष्ट्रपति पद को लेकर है, वहीं भाजपा नीतीश के लिए रक्षामंत्री या उपराष्ट्रपति के रूप में दो विकल्प सामने रख रही है।

नीतीश के अगले स्टैंड को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चा चल रही है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि वह किसी भी कीमत पर नीतीश को लालू के साथ नहीं जाने देंगे। यही नहीं सुशील मोदी ने ये भी दावा किया है कि लालू, नीतीश, चिराग और मुकेश सहनी को भाजपा एक नहीं होने देगी। सुशील मोदी ने कहा कि इस जन्म में वह कभी लालू के साथ नहीं जाएंगे।

चर्चा है कि 11 जून को लालू यादव के जन्मदिन के दिन कुछ बड़ा उलटफेर हो सकता है। जिसकी पटकथा दावत-ए-इफ्तार के दौरान से ही लिखी जाने लगी थी। कहा जा रहा है कि जिस तरह से ज्ञानवापी से लेकर मथुरा के मुद्दों को लेकर भाजपा एक्टिव है। ऐसे में नीतीश को अपना वोटबैंक छिटकने का खतरा पैदा हो गया है। इसी वजह से उन्होंने राजद के निकटता बढ़ानी शुरू कर दी है।

आरबीआई गर्वनर दास ने रेपो दर में एक और वृद्धि का दिया संकेत

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बढ़ती मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिये जून की शुरुआत में मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में एक और वृद्धि का संकेत दिया है। खुदरा महंगाई दर पिछले चार महीने से केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। दास ने कहा, नीतिगत दर में वृद्धि की संभावना है, इसमें बहुत कुछ सोचने वाली बात नहीं है। लेकिन यह वृद्धि कितनी होगी, मैं इस बारे में कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हूं। यह कहना कि यह बढ़कर 5.15 प्रतिशत होगी, संभवतः बहुत सही नहीं है।'' मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 6-8 जून को होगी।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने बिना किसी तय कार्यक्रम के इस महीने की शुरुआत में रेपो दर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि की। चार साल में यह पहला मौका था जबकि रेपो दर में वृद्धि की गई। केंद्रीय बैंक ने अप्रैल महीने में मौद्रिक नीति समीक्षा में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव का हवाला देकर चालू वित्त वर्ष के लिये मुद्रास्फीति अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.7 प्रतिशत किया। साथ ही 2022-23 के लिये जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अनुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक और सरकार ने मुद्रास्फीति को काबू करने के लिये नए सिरे से समन्वित कदम उठाने शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने पिछले दो-तीन महीनों में मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। दूसरी तरफ, सरकार ने गेहूं निर्यात पर पाबंदी तथा पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम उठाए हैं।

दास ने कहा कि इन सब उपायों से बढ़ती महंगाई को काबू में लाने में मदद मिलेगी। सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो से छह प्रतिशत के दायरे में रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। यह अभी इस दायरे से ऊपर है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 7.79 प्रतिशत हो गई हैं, जो इससे पूर्व महीने में 6.95 प्रतिशत थी। जबकि अप्रैल 2021 में यह 4.21 प्रतिशत थी। गवर्नर ने कहा, ''रूस और ब्राजील को छोड़कर लगभग हर देश में ब्याज दरें निचले स्तर पर हैं। विकसित देशों में मुद्रास्फीति का लक्ष्य करीब दो प्रतिशत है। जापान और एक अन्य देश को छोड़कर सभी विकसित देशों में मुद्रास्फीति सात प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है।'' राजकोषीय घाटे के संदर्भ में दास ने कहा कि सरकार लक्ष्य को हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि कर्ज की सीमा को बढ़ाने की संभवतः जरूरत नहीं पड़ेगी। वित्त वर्ष 2022-23 के लिये राजकोषीय घाटा 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा गया है।

ज्ञानवापी प्रकरण-जिला जज की अदालत में सुनवाई पूरी, आज आदेश संभव

वाराणसी (ईएमएस)। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ज्ञानवापी मामले में वाराणसी जिला जज की अदालत में सोमवार को सुनवाई पूरी हो गई। मामले में कल यानि मंगलवार को अदालत का आदेश आने की संभावना है। दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेस की अदालत ने फैसला कल तक के लिए सुरक्षित रखा है। कल न्यायालय की तरफ से बताया जाएगा कि यह मामले आगे सुनवाई योग्य है या नहीं। इस मामले में अदालत को आठ सप्ताह में सुनवाई करने का निर्देश दिया गया है। आज ज्ञानवापी परिसर में मां श्रृंगार गौरी की दैनिक पूजा-अर्चना की इजाजत देने और अन्य देवी-देवताओं को संरक्षित करने को लेकर दायर वाद की सुनवाई हुई।

करीब एक घंटे तक अदालत की कार्यवाही चली। दरअसल, वादी पक्ष की तरफ से जिला जज की कोर्ट से यह मांग की गई कि विपक्षी कमीशन कार्यवाही पर आपत्ति दाखिल करे। वहीं प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की दलील थी कि पहले विशेष उपासना स्थल अधिनियम लगेगा या नहीं इस पर सुनवाई हो। अदालत इस पर कल आदेश करेगी। ऐसे में अब कल का दिन बेहद अहम होने वाला है। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता विष्णु जैन ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। सुनवाई की अगली तारीख दी जाएगी। हम लोगों ने कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की सीडी और तस्वीरें उपलब्ध कराने के लिए एक आवेदन दिया था। सुनवाई के दौरान जिला जज की अदालत में कुल 23 लोग मौजूद रहे। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के 19 वकीलों और चार याचिकाकर्ता कोर्ट रूम में मौजूद रहे। अंदर जाने की अनुमति उन्हें मिली जिनका नाम सूची में दर्ज था।

जितेन्द्र

मंकीपॉक्स को लेकर सतर्क बीएमसी, कस्तूरबा अस्पताल में 28 बिस्तरों वाला वार्ड तैयार किया

मुंबई (ईएमएस)। इनदिनों कुछ देशों से मंकीपॉक्स के मामले सामने आने के बाद मुंबई के नगर निकाय ने कस्तूरबा अस्पताल में संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने की व्यवस्था के तहत 28 बिस्तरों वाला एक वार्ड तैयार रखा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि अब तक मुंबई में मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मरीज या पुष्ट मामले की कोई सूचना नहीं मिली है।

पशुओं से फैलने वाले संक्रामक रोग के बारे में जारी परामर्श में बीएमसी ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारी बीमारी से प्रभावित और गैर-प्रभावित देशों, जहां इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है, वहां से आने वाले यात्रियों की जांच कर रहे हैं। परामर्श में कहा गया है, ''संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने के लिए कस्तूरबा अस्पताल में एक अलग वार्ड (28 बेड) तैयार कर उनके नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को जांच के लिए भेजे जाएंगे। मुंबई में सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचित किया गया है कि वे मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मामले के बारे में कस्तूरबा अस्पताल को सूचित कर मरीजों को वहां भेज दें।

बात दें कि मंकीपॉक्स पशुओं से फैलने वाला वायरल संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है और कभी-कभी अन्य क्षेत्रों में संक्रमण के मामले देखे गए हैं।

परामर्श में बताया गया है, मंकीपॉक्स में आमतौर पर बुखार, दाने निकलने और सूजन जैसे लक्षण दिखते हैं, इससे चिकित्सा संबंधी कई जटिलताएं हो सकती हैं। बीएमसी ने कहा कि ये लक्षण आमतौर पर दो से चार सप्ताह तक दिखते हैं और धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। कभी कभी मामले गंभीर हो सकते हैं और इस रोग से मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत तक है। यह बीमारी जानवरों से इंसानों में और फिर इंसान से इंसान में फैल सकती है। परामर्श में कहा गया है, वायरस कटी-फटी त्वचा (भले ही दिखाई न दे), श्वास नली या श्लेष्मा झिल्ली (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। परामर्श के मुताबिक पशु-से-मानव में वायरस का संचरण काटने या खरोंच, बुशमीट (जंगली जानवरों के मांस), शरीर के तरल पदार्थ या जख्मों के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने जैसे कि संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर के संपर्क में आने से फैल सकता है।

माना जाता है कि मानव-से-मानव में संक्रमण मुख्य रूप से बड़ी श्वांस कणों के माध्यम से होता है, जिन्हें आमतौर पर लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है। मंकीपॉक्स का रोग पनपने की अवधि आमतौर पर 7 से 14 दिनों की होती है, लेकिन यह 5-21 दिनों तक भी हो सकती है और इस अवधि के दौरान व्यक्ति आमतौर पर संक्रामक नहीं होता है। परामर्श में कहा गया है, ''एक संक्रमित व्यक्ति दाने दिखने से 1-2 दिन पहले तक बीमारी फैला सकता है और तब तक संक्रामक बना रह सकता है जब तक कि सभी दाने मुरझा कर ठीक नहीं हो जाएं।

केदारनाथ यात्रा को अस्थायी तौर पर रोका गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार सुबह से हो रही लगातार बारिश और तेज बारिश की चेतावनी के चलते केदारनाथ यात्रा को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया। पुलिस ने श्रद्धालुओं को मंदिर नहीं जाने और अपने होटल लौटने की सलाह दी है। रुद्रप्रयाग के सर्किल ऑफिसर प्रमोद कुमार ने बताया, ठऑरेंज अलर्ट और सोमवार सुबह से हो रही बारिश के बाद हमने पैदल यात्रियों को रोक दिया है और उनसे होटल वापस लौने का आग्रह किया है। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे फिलहाल मंदिर न जाएं और सुरक्षित रहें। ठ

ज्ञात रहे कि गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट खुलने के साथ ही इसी माह चारधाम यात्रा शुरू हुई है।केदारनाथ के कपाट छह मई को जबकि बद्रीनाथ के कपाट आठ मई को खुले थे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अप्रैल माह के अंत में मंदिर परिसर में पहुंच कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों एवं आगामी यात्रा से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया था। मुख्यमंत्री ने रूद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम में पूर्ण हो चुके सरस्वती आस्था पथ का निरीक्षण किया था।

भारत की 10 लाख महिला कोरोना योद्धाओं 'आशा कार्यकर्ताओं' को डब्ल्यूएचओ ने किया सम्मानित

जिनेवा (ईएमएस)। स्वास्थ्य की वैश्विक निगरानी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत की 10 लाख महिला आशा कार्यकर्ताओं यानि कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया। आशा स्वयंसेवकों को यह सम्मान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और देश में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ अभियान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया गया है। मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता या आशा स्वयंसेवक भारत सरकार से संबद्ध स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं जो ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करते हैं। भारत में कोरोना वायरस महामारी के चरम पर रहने के दौरान रोगियों का पता लगाने के लिए घर-घर जाकर जांच करने को लेकर आशा कार्यकर्ता विशेष तौर पर चर्चा में आईं।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने रविवार को छह पुरस्कारों की घोषणा की। ये पुरस्कार वैश्विक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने, क्षेत्रीय स्वास्थ्य मुद्दों के लिए नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने के लिए दिए गए हैं। महानिदेशक घेब्रेयेसस ने 'ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड' के लिए विजेताओं का फैसला किया। इन पुरस्कारों की स्थापना 2019 में की गई थी और पुरस्कार समारोह 75वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के उच्च-स्तरीय उद्घाटन सत्र का हिस्सा था।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि सम्मानित लोगों में आशा भी हैं जिसका हिंदी में अर्थ उम्मीद है। भारत में 10 लाख से अधिक महिला स्वयंसेवकों को समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा, 'ऐसे समय, जब दुनिया असमानता, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, जलवायु संकट और एक महामारी का एक साथ सामना कर रही है, यह पुरस्कार उन लोगों के लिए है जिनका दुनिया भर में स्वास्थ्य की रक्षा और बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान रहा है।'

कार्टून कोना

भाजपा में मुसलमानों को परेशान करने की प्रतियोगिता चल रही : महबूबा

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ खड़ा किया और आज भाजपा ऐसा काम कर रही है, इतना ही नहीं प्रधानमंत्री चुपचाप देख रहे हैं। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने छोटे बच्चों के लिए मदरसा शिक्षा का विरोध कर कहा था कि किसी भी धार्मिक संस्थान में प्रवेश उस उम्र में होना चाहिए जिसमें व्यक्ति अपने निर्णय खुद ले सके।

इस पर पीडीपी प्रमुख की आक्रामक टिप्पणी सामने आई। जिसमें उन्होंने कहा कि देश को गुजरात मॉडल, यूपी मॉडल, असम मॉडल, एमपी मॉडल में बदलने का प्रयास हो रहा है। आप इसे कुछ भी कह सकते हैं। मुख्यमंत्री आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा कौन परेशान कर सकता है। इसलिए मंदिरों और मस्जिदों के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। महबूबा ने कहा कि इनका कम्पटीशन चल रहा है कि हमें देश को गुजरात मॉडल बनाना है या उत्तर प्रदेश मॉडल बनाना है। ये असम के मुख्यमंत्री से भी दो कदम आगे जाना चाहते हैं। हमारे सामने मिशाल है कि गुजरात में क्या हुआ, उत्तरप्रदेश में मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है।

महबूबा ने कहा कि ये इस मुल्क की बुनियाद को हिलाने की बात कर रहे हैं। ये मुल्क जिस संविधान पर बना था उस संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

सऊदी अरब में कोरोना संक्रमण बढ़ा, भारत सहित 16 देशों की यात्रा पर लगाई पाबंदी

जेद्दा (ईएमएस)। सऊदी अरब में महामारी कोविड-19 के संक्रमण फिर बढ़ने की खबर हैं। ऐसे में सउदी सरकार ने भारत सहित 16 देशों की यात्रा पर पाबंदी लगा दी है। हालांकि, सरकार ने लोगों को बताया है कि मंकीपॉक्स का कोई भी मामला देश में अभी तक सामने नहीं आया है। इन 16 देशों में भारत के अलावा कांगो गणराज्य, लीबिया, इंडोनेशिया, लेबनान, सीरिया, तुर्की, ईरान, अफगानिस्तान, यमन, सोमालिया, इथियोपिया, वियतनाम, आर्मेनिया, बेलारूस शामिल हैं। इधर, नॉर्थ कोरिया में भी कोरोना ने कोहराम मचा रखा है। यहां प्रतिदिन लाखों कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। सऊदी अरब में स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि देश में अभी एक भी मंकीपॉक्स का केस सामने नहीं आया है। निवारक स्वास्थ्य के लिए उप स्वास्थ्य मंत्री अब्दुल्ला असिरी ने कहा है कि देश के पास मंकीपॉक्स के मामलों के पता करने की क्षमता है। अगर कोई मामला सामने आता है तो सरकार संक्रमण से निपटने के लिए भी तैयार है।

बता दें कि मंकीपॉक्स को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी देशों को सतर्क किया है। हालांकि, भारत में अभी तक मंकीपॉक्स के मामले सामने नहीं आए हैं, लेकिन सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। मंकीपॉक्स स्मॉलपॉक्स की तरह ही एक वायरल इन्फेक्शन है जो चूहों और खासकर बंदरों से इंसानों में फैल सकता है। अब्दुल्ला असिरी ने बताया कि मंकीपॉक्स को लेकर अब तक, मनुष्यों के बीच फैलने के केस बहुत कम देखें गए हैं। इसलिए इससे होने वाले किसी भी प्रकोप की संभावना बहुत कम है, उस देशों में भी इसके फैलने की संभावना बहुत कम हैं जहां इसके संक्रमण पाए गए हैं। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 11 देशों में मंकीपॉक्स के 80 मामलों की पुष्टि की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वह मंकीपॉक्स के प्रकोप की सीमा और कारण को बेहतर ढंग से समझने के लिए काम कर रहा है। शुक्रवार को जारी एक बयान में डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वायरस कई देशों में कुछ जानवरों के बीच फैलता है, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों में कभी-कभार इसका प्रकोप होता है।

जन हितैषी

जनता को राहत

महंगाई से जूझ रही जनता को राहत पहुंचाने केंद्र सरकार ने बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज डयूटी कम कर दिया है। पेट्रोल पर एक्साइज डयूटी 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए घटा दिया गया है। इस कटौती के बाद आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली समेत देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो गए हैं। पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर एक्साइज डयूटी घटने के बाद अब पेट्रोल पर 19.90 और डीजल पर 15.80 रुपए एक्साइज डयूटी चार्ज लगेगा। इससे पहले सरकार पेट्रोल पर 27.90 और डीजल पर 21.80 रुपए एक्साइज डयूटी के रूप में वसूल रही थी। केंद्र सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है जब जनता की कमाई महंगाई की भेंट चढ़ती जा रही थी। जनता को महंगाई से निताज दिलाने पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों से वैट कम करने का आग्रह किया था, मगर एक भी राज्य ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। लिहाजा महंगाई का ग्राफ बढ़ता जा रहा था। ऐसे में केंद्र सरकार ने पहल करते हुए पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज डयूटी कम करने का फैसला किया। हालांकि, केंद्र के ऐलान के ठीक बाद केरल ने और उसके बाद राजस्थान सरकार ने वैट कम करके अपने राज्य के लोगों को राहत दी। अब भी कई राज्यों ने केंद्र की तर्ज पर वैट कम करने का फैसला नहीं किया है। लेकिन माना जा रहा है कि उन पर अब वैट कम करने का दबाव है और जल्द ही इस दिशा में फैसला होगा। पेट्रोल और डीजल के दाम 110 रुपए से अधिक हो चुके थे। उधर डीजल के दाम बढऩे से मालभाड़ा भी बढऩे लगा था। इसका असर अनाज और सब्जियों पर दिख रहा था। कहा जा रहा था कि डीजल का रेट कम होने से माल भाड़ा कम होगा और इससे रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर ब्रेक लगेगा। अब ऐसा होने की उम्मीद प्रबल हो गई है। हालांकि, महंगाई से सिर्फ भारत नहीं, पूरी दुनिया जूझ रही है। निश्चित रूप से इसकी एक वजह ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल का महंगा होना है। मार्च में 30 फीसदी की रिकॉर्ड तेजी के बाद दाम घटकर 100 डॉलर प्रति बैरल से कुछ ऊपर स्थिर हुए हैं, लेकिन युद्ध लंबा खिंचने की आशंका को देखते हुए अरब देश एक बार फिर दाम बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। बता दें कि अब तक जिस भाव पर हम पेट्रोल और डीजल की खरीद करते रहे हैं, उनमें से टैक्स 46 फीसदी होता है। केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज डयूटी लगाती है तो राज्य सरकारें इसपर वैट और सेस यानी अतिरिक्त टैक्स लगाते हैं। यही वजह है कि देश अलग-अलग हिस्सों में पेट्रोल और डीजल के दामों में काफी अंतर होता है। आखिरी बार एक्साइज डयूटी में कटौती का फैसला तब किया गया था जब उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नजदीक थे। चुनाव परिणाम आते ही पेट्रोल-डीजल से लेकर एलपीजी तक की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला था। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल भी भाजपा पर यही आरोप लगाते हैं कि मोदी सरकार चुनाव को देखकर फैसले लेती है। ऐसे में सवाल उठता है कि गुजरात और हिमाचल के विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने को हैं तो आखिर क्या वजह है कि केंद्र सरकार को यह फैसला रुस और यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक अस्थिरता के बीच लेना पड़ा? अप्रैल के थोक महंगाई दर के आंकड़ों ने सरकार की चिंताओं को बढ़ा दिया। अपने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए अप्रैल में थोक महंगाई दर 15 फीसदी के पार पहुंच गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में थोक महंगाई दर 15.08 फीसदी रही। जोकि पिछले तीन दशक में सबसे अधिक है। बता दें, अप्रैल 2021 से ही थोक महंगाई दर दहाई के पार बनी हुई है। शहरों के मुकाबले गांव के लोग महंगाई से अधिक परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार मार्च के महीने में गांव में खुदरा महंगाई दर 7.66 फीसदी थी। वहीं, अप्रैल के महीने में यह बढ़कर 8.38 फीसदी हो गई, जबकि एक साल पहले अप्रैल के महीने में गांवों में महंगाई दर 3.75 फीसदी थी। यानी एक साल बाद मंहगाई दोगुना हो गई। शहरों में महंगाई दर अप्रैल 2022 में 7.09 फीसदी रही। जोकि गांवों की तुलना में अधिक है। रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनिया भर में खाद्य तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। लेकिन इंडोनेशिया के सरकार द्वारा पॉम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद खाद्य तेल की कीमतों में और इजाफा देखने को मिला। हालांकि अब यह प्रतिबंध वहां के सरकार द्वारा हटा लिया गया है। जिसके बाद उम्मीद है कि खाद्य तेल की कीमतों में कटौती देखने को मिलेगी।

किसकी हिम्मत, जो अंग्रेजी की हटाए?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कई मुद्दे उठाए, जिसमें भाषा का मुद्दा प्रमुख था। राजभाषा हिंदी को लेकर पिछले दिनों दक्षिण में काफी विवाद छिड़ा था। मोदी ने यह तो बिल्कुल ठीक कहा कि सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए लेकिन मोदी ने यह नहीं बताया कि पिछले 75 साल में बनी सभी सरकारें क्या देश की एक भी भाषा को उसका उचित सम्मान और स्थान दिला सकी हैं। मोदी सहित सभी प्रधानमंत्रियों ने अंग्रेजी के आगे अपने घुटने टेक रखे हैं। सभी भाषाओं को अपनी नौकरानी बनाकर अंग्रेजी खुद महारानी बनी बैठी है। सरकारें चाहे कांग्रेस की हों, भाजपा की हों, जनता पार्टी की हों, समाजवादी पार्टी की हों, कम्युनिस्ट पार्टी की हों या प्रांतीय पार्टियों की हों, सभी आज तक अंग्रेजी की गुलामी करती रही हैं। उन समस्त लोकसभाओं और विधानसभाओं में कानून सदा अंग्रेजी में बनते रहे हैं, उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों के फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं, मंत्रिमंडल के सभी फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं और हमारी उच्च नौकरशाही अंग्रेजी की गुलामी में सबसे आगे बनी रहती है। जब मेरे मास्को, लंदन और न्यूयार्क के सहपाठी पहली बार भारत आते हैं, वे हमारे बाजारों के अंग्रेजी नामपटों को देखकर और दिल्ली में अंग्रेजी के इतने अखबारों को देखकर दंग रह जाते हैं। वे कहते हैं कि किसी भी आजाद देश में हमने ऐसी सांस्कृतिक गुलामी नहीं देखी। भारत की शिक्षा और चिकित्सा में भी अंग्रेजी छाई हुई है। जब अब से लगभग 55-56 साल पहले मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोधग्रंथ हिंदी में लिखने की मांग की थी तो भारत की संसद ठप्प हो गई थी। आखिरकार मेरी विजय हुई। जवाहरलाल नेहरु विवि में सबसे पहली पीएच.डी. लेनेवालों में मेरा नाम था लेकिन आज तक भारत के कितने विश्वविद्यालयों में कितनी पीएच.डी. हिंदी माध्यम से हुई हैं? इसी प्रकार कई स्वास्थ्य मंत्रियों ने मुझसे वादा किया कि वे मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरु करवाएंगे लेकिन क्या आज तक वह शुरु हुई? अदालत की कार्रवाई, वकालत और डॉक्टरी देश में ठगी के सबसे बड़े धंधे इसीलिए बने हुए है कि उन्होंने जादू-टोने का रूप ले लिया है। महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया ने अंग्रेजी की इस गुलामी के दुष्परिणामों को बहुत अच्छी तरह रेखांकित किया था। गुरु गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय और अटलजी तथा मुलायमसिंह, राजनारायण और मधु लिमये ने इस अभियान को जमकर चलाया था लेकिन आजकल के सभी नेता और सभी दल वोट और नोट के खेल में मदमस्त हो रहे हैं या भाषाई मुद्दे पर उनकी समझ इतनी सतही है कि इस मर्ज़ का असली इलाज उनकी अक्ल के परे है। उनके लिए मेरा एक ही मंत्र है- अंग्रेजी को मिटाओ मत लेकिन अंग्रेजी को हटाओ। अगर आप उसे हटा सके तो हिंदी एवं समस्त भारतीय भाषाएं तो अपने आप सम्मान पा जाएंगी। (लेखक/ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दैनिक पंचांग

24 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

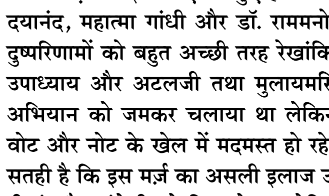

मंगलवार 2022 वर्ष का 144 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 10.46 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 22.33 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 23.40 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.46 बजे तदनन्तर वणिज 22.35 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 43' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871258 **जूलियन दिन** 2459723.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 22

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.46 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.59 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	11.15 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.27 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.38 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.52 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	20.08 बजे से
राहु	मेष में	मकर	22.14 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	00.00 बजे से
राहुकाल		मीन	01.33 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	03.03 बजे से
बजे तक		वृष	04.43 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

परवानों को बुलाते हैं शम्मा दिखा के हम

गांधीवादी सिद्धांतों व विचारधारा पर चलने वाली कांग्रेस पार्टी देश की स्वतंत्रता से लेकर अब तक दुर्भाग्यवश अनेक बार विभाजित हो चुकी है। ब्रह्मानंद रेड्डी से लेकर बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा,नारायण दत्त तिवारी,मोहसिना क़िदवई,देव राज अर्स,ममता बनर्जी और शरद पवार जैसे और भी अनेक बड़े से बड़े नेताओं ने कांग्रेस पार्टी से समय समय पर किसी न किसी मतभेद के चलते अपना नाता तोड़ा। परन्तु चूँकि यह नेता गांधीवादी व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा पर चलने वाले तथा व्यक्तिगत जनाधार रखने वाले नेता थे लिहाज़ा इन्होंने सत्ता हासिल करने के लिये किसी धुर विरोधी विचारधारा की दक्षिणपंथी पार्टी में शामिल होने के बजाये स्वयं अपना संगठन खड़ा किया। परन्तु वर्तमान दौर में जबकि बेरोज़गारी व मंहगाई अपने चरम पर है देश की अर्थव्यवस्था चौपट होने की कगार पर है। डॉलर के मुक़ाबले रुपया अपने रिकार्ड स्तर तक गिर चुका है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पास अपनी साख बचाने के केवल दो ही उपाय हैं जिनके सहारे वह जनता में विशेषकर देश के बहुसंख्य समाज में लोकप्रिय बने रहने की कोशिश कर रही है। एक तो मुख्यधारा के मीडिया विशेषकर टी वी चैनल्स को अपने पक्ष में कर सत्ता के क़सीदे पढ़वाना और समाज को धर्म के आधार पर विभाजित करने की पूरी छूट देना तथा दूसरे विवादित अविवादित धार्मिक मुद्दों को हवा देकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को उकसाकर तथा धार्मिक विवाद पैदा कर धर्म आधारित ध्रुवीकरण कर बहुंसख्यवाद की राजनीति करना। भारतीय जनता पार्टी इस रास्ते पर चलते हुये भले ही स्वयं को संख्याबल के हिसाब से मज़बूत स्थिति में क्यों न पा रही हो परन्तु देश का एक बड़ा वर्ग ख़ासकर पढ़ा लिखा,गंभीर चिंतन करने वाला वर्ग,उदारवादी समाज यहाँ तक कि विदेशी मीडिया व अनेक विदेशी राजनेता भी भरतीय राजनीति की वर्तमान शैली की आलोचना करते रहते हैं। इस वर्ग का मानना है कि जो भारतवर्ष गाँधी का भारत कहा जाता है,जिस गाँधी के सत्य,अहिंसा के सिद्धांत की पूरी दुनिया क़ायल हो व अनुसरण करती हो,उस देश में गाँधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा का पनपना और सत्ताधारी नेताओं व उनके समर्थकों द्वारा गोडसे का गुणगान किया जाना आख़िर क्या सन्देश दे रहा है ?

और इसी सन्दर्भ में दूसरा सबसे बड़ा सवाल यह कि उपरोक्त हालात के बावजूद आख़िर क्या वजह है कि एक और जहाँ सत्ताधारी दल के क़द्दावर मंत्री नितिन गड़करी तक यह महसूस कर रहे हों कि- 'स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कांग्रेस का मज़बूत होना ज़रूरी है और यह उनकी ईमानदारी से इच्छा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत बने। लोकतंत्र दो पहियों के सहारे चलता है जिनमें से एक पहिया सत्ताधारी पार्टी है जबकि दूसरा पहिया विपक्ष है। लोकतंत्र के लिए मज़बूत विपक्ष की ज़रूरत है और इसलिए मैं हृदय से महसूस करता हूं कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत होना चाहिए '। गडकरी का यह भी कथन है कि - 'चूंकि कांग्रेस कमज़ोर हो रही है, अन्य क्षेत्रीय पार्टियां उसका स्थान ले रही हैं,यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस का स्थान लें।' सवाल यह है कि जब सत्ता पक्ष का एक क़द्दावर नेता व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के बारे में ऐसी उम्मीद व विचार रख रहा हो ऐसे में क्या वजह है कि आये दिन कांग्रेस का ही कोई न कोई प्रमुख नेता किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़ रहा है बल्कि कांग्रेस की धुर विरोधी विचारधारा रखने वाली भारतीय जनता पार्टी में ही शामिल भी हो रहा है ? वे कांग्रेसी नेता जो संसद से सड़कों तक भाजपा को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संरक्षण में चलने वाली सांप्रदायिक,नाज़ीवादी,गाँधी की हत्यारी,गोडसे का गुणगान करने वाली देश को धर्म जाति भाषा आदि के नाम पर विभाजित करने वाली तथा अंग्रेज़ों से मुआफ़ी मांगने वाले नेताओं की पार्टी बताया करते थे,क्या वजह है कि आज वही नेता उसी भाजपा में शामिल हो रहे हैं ?

एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है आज के दौर में कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले नेताओं में गांधीवादी सिद्धांतों पर चलने अथवा वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की कोई चीज़ बाक़ी नहीं रही है। न ही उनमें इतना दम है कि वे अपने बल पर कोई नया राजनैतिक संगठन खड़ा कर सकें। इनके लिये इससे भी महत्वपूर्ण उनका राजनैतिक भविष्य अर्थात सत्ता में बने रहना है। यही वजह है कि कल तक गांधीवादी विचारधारा की माला जपने वाले और संघ व भाजपा को पानी पी पी कर कोसने वाले सुष्मिता देव,रीता बहुगुणा जोशी,हेमंत विस्वा सरमा,माणिक साहा,ज्योतिरादित्य सिंधिया,जितिन प्रसाद,आर पी एन सिंह जैसे और भी कई नेता और पिछले दिनों सुनील जाखड़ जैसे नेता उसी भाजपा में शामिल हो गये। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़ कर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार तक गिरा दी और राज्य में भाजपा सरकार बनने रास्ता साफ़ किया। ज़ाहिर है जब कांग्रेस पार्टी में ही ऐसे रीढ़ विहीन सिद्धांत विहीन तथा विचार विहीन सत्ताभोगी नेताओं की भरमार हो तो कांग्रेस को रसातल में जाने से भला कौन बचा सकता है। कांग्रेस और भाजपा के इस अंतर से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जहाँ कांग्रेस पार्टी ने अपने गठन से लेकर अब तक पार्टी विभाजन में कीर्तिमान स्थापित किये हैं और नेताओं के दल बदल व पलायन में भी रिकार्ड बनाये हैं वहीं भाजपा, जनसंघ से लेकर आज की भाजपा तक कभी विभाजित नहीं हुई। और नेताओं के पार्टी छोड़ने का भी सिलसिला नाम मात्र ही रहा। निः संदेह भाजपा इस मामले अति अनुशासित कैडर्स पर आधारित पार्टी है। उत्तरांचल,गुजरात,त्रिपुरा जैसे विभिन्न राज्यों में मुख्यमंत्रियों को रातों रात बदलने के बावजूद कोई नेता विद्रोही स्वर नहीं बुलंद कर सका। जबकि कांग्रेस में कमलनाथ बनाम सिंधिया,कैप्टन अमरेंद्र सिंह बनाम नवज्योत सिंह सिद्धू और अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट खींचतान के नतीजे सबके सामने हैं।

कांग्रेस के नेताओं के भाजपा में शामिल होने की दूसरी महत्वपूर्ण वजह यह भी है कि भाजपा अपने अनुशासित कैडर्स पर भरोसा रखते हुए कभी आसाम में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुये हेमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री पद दे देती है तो कभी त्रिपुरा में अपनी पार्टी के विप्लव कुमार देव को हटाकर कर कांग्रेस से ही भाजपा में आये माणिक साहा को रातों रात मुख्य मंत्री बना देती है। कभी मणिपुर में कांग्रेस से आये एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाती है, कभी ज्योतिरादित्य सिंधिया को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करती है तो कभी रीता बहुगुणा को मंत्री बनाती या लोकसभा का टिकट देकर सांसद निर्वाचित कराती है तो कभी जतिन प्रसाद को मंत्री बनाती है। इस तरह के और भी अनेक उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि भाजपा के इसतरह के आकर्षक 'ऑफ़र्स' भी कांग्रेस नेताओं के लिये भाजपा की पनाहगाह बनने में सहायक साबित हो रहे हैं। हर सिद्धांत व विचारविहीन नेता यही सोचता है कि भाजपा में जाते ही सत्ता हासिल हो जायेगी। गोया भाजपा अपनी रणनीति में सफल दिखाई देती है कि बक़ौल शायर 'परवानों को बुलाते हैं शम्मा दिखा के हम'। (लेखक-- तनवीर जाफ़री /ईएमएस)

कहो तो कह दूँ। अफसरों सावधान हो जाओ, चौतरफा घूम रहे हैं ''मामाजी के जासूस''

आजकल अपने मुख्यमंत्री यानी ठमामाजीठ फुल फॉर्म में हैं, सुबह होती है सूरज अभी पूरा उग भी नहीं पाता कि मामाजी अफसरों की मीटिंग शुरू कर देते हैं, बेचारे अफसर रात रात भर सो नहीं पा रहे हैं कि कंही ऐसा न हो कि सुबह नींद न खुल पाए और मामाजी एक ही झटके में निबटा दें ट घर में जितनी भी घड़ियां है जितने भी मोबाइल हैं उन सबमें सुबह चार बजे का अलार्म लगा देते है मोबाइल अपने तकिये के नीचे रखते हैं कि पता नहीं कब मामाजी का फोन आ जाए या उनका मेसेज आ जाये ट भारी हलाकान हो गये हैं पूरे प्रदेश के आराम तलाब अफसर ट पहले कितने अच्छे थे मामाजी न कभी किसी को चमकाते थे न किसी को डांटते थे, मनमर्जी से काम कर रहे थे तमाम अफसर, जनता परेशां होती थी होती रहती थी उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता था लेकिन पिछले कुछ समय से मामाजी को पता नहीं क्या हो गया है, जब भी अफसर लोग एक दूसरे से मिलते है बस एक ही चर्चा करते है कि अचानक मामाजी ने ऐसा रौद्र रूप कैसे धारण कर लिया, रात को बिस्तर पर चले तो जाते है लेकिन नींद नहीं आती ट किसी का भी फोन आता है तो लगता है कि मामाजी का फोन न हो मोबाईल देखकर डर लगने लगा है कि पता नहीं कब बज जाए और मामाजी मीटिंग के लिए बुला लें, जो अफसर आठ और नौ बजे सोकर उठते थे वे सुबह ठब्रह्म मुहूर्तठ में नहा धोकर साफ सुथरे कपडे पहन कर बैठ जाते हैं कि पता नहीं मामाजी कब किसको बुला लें और आजकल तो एक और मुश्किल हो गयी है मामाजी के जासूस पूरे प्रदेश में घूम रहे हैं और चुपचाप भ्रष्ट अफसरों की रिपोर्ट मामाजी को सौप देते है और मामाजी सुबह सुबह किसी भी जिले के कलेक्टर को उसके जिले के उन भ्रष्ट अफसरों की लिस्ट उन्हें सौप देते है तब कलेक्टर को पता लगता है कि उनकी नाक के नीचे कितना भ्रष्टाचार हो रहा हैं अब कलेक्टर भी धर्म संकट में पड़ कर सोचता है कि वो करे भी तो क्या करे, जब मामाजी ने ही लिस्ट सौपी है तो गोल गपाड़ा भी नहीं कर सकते वरना पहले तो सब कुछ आराम से चल रहा था लेकिन मामाजी की खुफ़िया शाखा चुन चुन कर भृष्ट अफसरों की लिस्ट बना कर उनके सामने रख रही है ,अब तो अफसरों को किसी से भी बात करने में डर सा लगने लगा है कि पता नहीं कौन सी बात मुंह से निकल जाए क्या पता वो मामाजी का जासूस हो ।अब हर आदमी को वे शक की निगाह से देखने लगे हैं हर दूसरा आदमी उन्हें मामाजी की ठख़ुफ़िया शाखाठ का जासूस नजर आता है मामाजी को इस बात के लिए धन्यवाद तो देना पड़ेगा कि उन्होंने अफसरों की पीठ पर जीन कस दी है अपना तो मानना है कि मामाजी अपने जासूसों को अपनी पार्टी के नेताओं के पीछे भी लगाओ ताकि पता लगे कि वे क्या गुल खिला रहे हैं ट

आज का इतिहास 24 मई

1875 सैयद अहमद खान ने एंगलो ओरिएंटल स्कूल की स्थापना अलीगढ़ में की जो 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय बना.

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन युद्धपोत बिस्मार्क ने उत्तर अटलांटिक ब्रिटिश युद्धपोत को 1300 व्यक्तियों सहित डुबो दिया.

1956 भगवान बुद्ध की ढाई हजारवीं जयंती मनाई गई.

1964 लीमा में फुटबॉल मैच के दौरान दंगा हो जाने 300 दर्शक मारे गए.

1974 अमरीका ने वियतनाम और कंबोडिया के शरणार्थियों के पुर्नवास के लिए 40 करोड़ डालर की राशि मंजूर की.

1984 अमरीका और इसरायल ने पश्चिम एशिया सम्मेलन के बारे में राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव को ठुकरा दिया.

1990 अमरीका ने चीन को व्यापार में विशेष वरीयता देने का दर्जा बिना शर्त नवीकरण किया.

1998 राजस्थान के राज्यपाल दरबारा सिंह का निधन.

1999 अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व पद्‌मश्री से सम्मानिक कुश्ती के प्रतीक गुरु हनुमान का मेरण के पास सड़क दुर्घटना में निधन.

2000 हिंदी फिल्मों के गीतकार मजरुह सुल्तानपुरी का निधन.

2001 राजस्थान में सूरतगढ़ के निकट थलसेना के आयुध डिपो में आग लगने से 2 जवानों की मृत्यु.

2002 आगरा की एक जूता फैक्ट्री में आग लगने से 43 लोग मरे.

2005 बिहार विधानसभा भंग कर दी गई.

वे बूढ़े तो दूसरे नेता क्या हैं

कमलनाथ सरकार को पलटाने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक सभा में साफ साफ़ कह दिया कि भले ही लोग मुझे जवान समझें लेकिन मैं बुढ़ापे की तरफ बढ़ रहा हूँ । अपन ने जब से उनकी ये बात सुनी है उन नेताओ के बारे में सोचने के लिए मजबूर हो गए हैं जो सचमुच बूढ़े हो गए है लेकिन अभी भी अपने आप को जवान मानते हैं बाल और मूंछ काली कर अपने आपको जवान साबित करने में लगे हुए है लेकिन सिंधिया जी ने ये कह कर सबकी हालत पतली कर दी है ट वैसे महाराज ने ऐसा क्यों कह दिया ये अपनी समझ से बाहर है, अभी उनकी उम्र ही क्या है, चेहरे पर पूरी चमक और ताजगी है, बाल काले हैं, तेज चाल से चलते हैं, भाषण देते है तो पूरा जोश दिखाई देता है, बुढ़ापे का तो एक भी लक्षण नजर नहीं आता, हट्टे कट्टे जवान आदमी हैं लेकिन अपने आप को बुढ़ापे की तरफ अग्रसर होने की बात कह रहे हैं उनकी इस बात से वे तमाम नेता परेशान हो गए है जो सचमुच में बुढया गए है उनको लगने लगा है कि जब महाराज अपने आप को बूढ़ा बताने में जुट गए है तो उन्हें तो अभी तक दूसरा जन्म ले लेना चाहिए था ट इधर दोनों ही दलों ने पचास और साठ का फ़ार्मूला तय करने की बात कह दी है और जब से ये खबर सामने आई है बेचारे पचास और साठ से ऊपर वाले नेता अपने आप को अभी से बेरोजगार समझने लगे हैं । अब अपना क्या होगा ये ही चिंता उन्हें खाये जा रही है और इसी चिंता में वे अपनी उम्र से भी ज्यादा बूढ़े दिखने लगे हैं लगता दोनों ही पार्टियों ने तय कर लिया है की अब इन ठडुकरोंठ के दम पर पार्टी चलने वाली है नहीं इसलिए जवानों को सामने लाओ लेकिन यहां तो अच्छा खासा जवान नेता अपने आप को बुढ़ापे की तरफ जाने की बात करने लगा है अपनी तो महाराज से एक ही इल्तजा है कि एक बार आईने के सामने खड़े होकर अपने आप को देख लो उन्हें पता लग पायेगा कि अभी भी उनके चेहरे पर ठजवानी की चमक और नूरठ लबालब है ट

क्या दिन आ आ गये ठोको ताली के

कहते है न वक्त किसी का नही होता, कब राजा को रंक बना दे दे और कब रंक राजा बन जाए कहना मुश्किल है, अब देखो न जिस कॉमेडी के शो में अपने सिध्दू साहेब जज की कुर्सी पर बैठकर तमाम कॉमेडियंस कोठ जजठ किया करते थे उनमें से एक कॉमेडियन ठभगवंत मानठ भी थे जो सिद्धू साहेब के सामने कॉमेडी कर उनसे अच्छे नंबर पाने कीआशा करते थे ,वक्त ने ऐसा पलटी खाई कि भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री बन गए और ठठोको तालीठ कहने वाले सिध्दू जी को सुप्रीम कोर्ट ने जेल भेज दिया , बहुत मिन्नतें की सिद्धू साहेब ने कि उनकी तबियत खराब है उन्हें गेंहू से एलर्जी है लेकिन कोर्ट ने कोई बात नहीं मानी और सिध्दू जी एक कैदी बतौर अपना अपना टाइम जेल के कैदियों के बीच में काट रहे है अच्छे भले बीजेपी में थे पता नहीं क्या सोचा कांग्रेस में चले गए गए और फिर ऐसी लाई लुटी कि कंही के नहीं रहे, उनके चक्कर में कांग्रेस के अच्छे अच्छे नेता कांग्रेस से विदा लेकर बीजेपी में चले गए इसलिए किसी ने कहा है कि वक्त की तासीर ही ऐसी होती है ट

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

ठमैं और मेरी प्रेमिका एक समय में बड़े ही सुखी और खुशियों से भरपूर थेठ, श्रीमान जी ने अपने एक मित्र को बताया

ठफिर क्या हुआ अब इतने मायूस क्यों दिखते होठ मित्र ने पूछा

ठफिर हम दोनों ने शादी कर लीठ श्रीमान जी ने बतला दिया

(लेखक-चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7295

बाएँ से दाएँ

1.खटपट,ठनाठनी-4
4.पंजाब की एक नदी-4
6.चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8.दंड,दम,शामन-3
9.धरा,भूमि-3
11.शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13.नवचंद्राकार-5
15.अकेला-2
16.दया,करुणा-3
18.बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19.देवर्षि,देवमुनि-3
20.सब्जी,भाजी-4
22.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1.गुनाह,दोष,जुर्म-3
2.अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3.सौत,दूसरी स्त्री-3
4.होशियार,गुणवान-5
5.भूकम्प-4
7.भेद,तुलना-3
10.परिचर्या-5
12.स्वभाव-4
14.स्थित होना-3
17.श्मशान-4
18.गृह,भवन-3
21.जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -7294 का हल

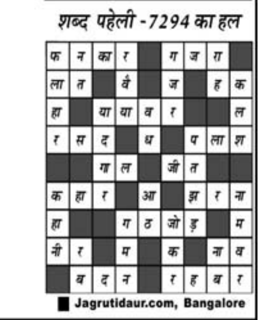

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अल्कारेज और गॉफ फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे , थीम बाहर

पेरिस (ईएमएस)। ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के पहले ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। थीम को ह्युगो डेलियन ने सीधे सेट में 3-6, 2-6, 4-6 से हराया। यह थीम की लगातार दसवीं हार थी। थीम को किसी एटीपी टूर पर पिछली जीत मई 2021 में मिली थी। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के 19 साल के कार्लोस अल्कारेज ने युआन इग्नेसियो लोंडेरो को 6-4, 6-2, 6-0 से हराया।

वहीं महिला वर्ग में अमेरिका की 18 साल की कोको गॉफ ने कनाडा की क्वालीफायर रेबेका मारिनो को 7-5, 6-0 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व की शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल गरबाइन मुगुरुजा को एस्टोनिया की काइया केनेपी ने 2-6, 6-3, 6-4 से हराया। पोलैंड की 56वीं रैंकिंग वाली माग्दा लिनेट ने टयूनीशिया की ओन्स जेबुर को 3-6, 7-6 (4), 7-5 से हराया।

ज्योति ने अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की ज्योति याराजी ने ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13.11 सेकेंड समय निकालने के साथ ही 13.23 सेकेंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। इससे पहले ज्योति ने 10 मई को लिमासोल में साइप्रस अंतरराष्ट्रीय मीट के दौरान 13.23 सेकेंड का समय निकाला था। इसी के साथ ही ज्योति ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार महिला 100 मीटर बाधा दौड़ का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा है।

भुवनेश्वर में कोच जोसेफ हिलियर के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करने वाली ज्योति ने अनुराधा बिस्वाल के 13.38 सेकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जो साल 2002 में बना था। ज्योति ने पिछले माह ही कोझिकोड में फेडरेशन कप में भी 13.09 सेकेंड का समय निकाला था पर तब हवा तय वैध सीमा से अधिक तेज चल रही थी , इसलिए उनका समय रिकार्ड में नहीं आया। वहीं ओडिशा एथलेटिक्स हाई परफोर्मेंस केंद्र के अमलान बोरगोहेन 200 मीटर दौड़ में 21.27 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इसके अलावा सिद्धांत थिंगाल्या 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.97 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

बारिश बनी बाधा तो सुपर ओवर से तय होगा विजेता

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में अगर बारिश की बाधा के कारण तय समय में खेल नहीं होता है तो विजेता टीम का निर्णय सुपर ओवर से होगा क्योंकि इसमें कोई रिजर्व दिन नहीं रखा गया है। आईपीएल के दिशानिर्देशों के अनुसार अगर एक भी ओवर फेंका नहीं जा सके तो लीग की तालिका में स्थिति के आधार पर ही विजेता का फैसला होगा। यह नियम क्वालीफायर एक, एलिमिनेटर, क्वालीफायर दो पर भी लागू होंगे।

वहीं खिताबी मुकाबले के लिए 30 मई का दिन रिजर्व रखा गया है। यह मुकाबला रात आठ बजे से खेल जाएगा।

आईपीएल के प्ले ऑफ मुकाबलों की शुरुआत कोलकाता में और वहां खराब मौसम के कारण सुपर ओवर का तरीका अपना जा सकता है। इसी को देखते हुए आईपीएल ने ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार, ''प्रत्येक प्ले ऑ मैच में जरूरत पड़ने पर मैच के ओवरों की संख्या को प्रत्येक टीम के लिए कम से कम पांच ओवर की बल्लेबाजी तक कम किया जा सकता है।'' साथ ही कहा गया, ''एलिमिनेटर और प्रत्येक क्वालीफायर में, अगर अतिरिक्त समय के बाद भी पांच ओवर का खेल पूरा नहीं हो पाता ओर अगर हालात साथ देते हैं तो संबंधित एलिमिनेटर या क्वालीफायर मुकाबले के विजेता का फैसला सुपर ओवर के जरिए होगा।''

आईपीएल के पहले क्वालिफायर में आज आमने-सामने होंगी गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स

कोलकाता (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल के 15 वें सत्र के पहले क्वालिफायर को मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। दोनो ही टीम इस मैच में जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले में जगह बनाने उतरेंगी। कप्तान हार्दिक पंडया की गुजरात ने अब तक 14 लीग मुकाबले में से 10 जीतने के साथ ही 20 अंक हासिल किये हैं और वह अंक तालिका मे शीर्ष पर है जबकि संजू सैमसन की कप्तानी में उतर रही राजस्थान ने भी 9 मुकाबले जीते हैं और उसके 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार हैं। गुजरात ने लीग स्तर पर एक मैच में राजस्थान को हराया था ,ऐसे में उसे मनोवेज्ञानिक बढ़त मिली हुई है।

गुजरात की बल्लेबाजी पंडया , डेविड मिलर , शुभमन गिल और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर आधारित है। हार्दिक और शुभमन दोनों ने अब तक इस सत्र में 400 से अधिक रन बनाए हैं। शुभमन अंतिम 2 मैच में रन नहीं बना पाये हैं , ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में लंबी पारी खेलना रहेगा। इसके अलावा मिलर ने भी 54 की औसत से 381 रन बनाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने 9 मैच में 3 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं निचले क्रम पर राहुल तेवतिया और राशिद खान किसी भी गेंदबाज के खिलाफ रन बनाने में माहिर हैं। तेवतिया और राशिद के स्ट्राइक रेट 148 हैं जिससे यह बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरे हैं। राशिद ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी नाम के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए टीम की ओर से अब तक सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 7 से भी कम है। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन और यश दयाल हैं। शमी नई गेंद से विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। जरुरत पड़ने पर कप्तान पंडया भी गेंदबाजी कर सकते हैं। अब देखना है कि राजस्थान के बल्लेबाज इनका कैसे सामना करते हैं।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें इस सत्र मे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले जोस बटलर पर टिकी रहेंगी। बटलर ने अब तक 3 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही 629 रन बनाये हैं पर वह अंतिम 3 मैच में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जिससे टीम की परेशानी बढ़ी है। बटलर ने जब-जब रन बनाये हैं टीम जीती है। कप्तान संजू सैमसन और देवदत्त पडिक्कल ने भी 300 से अधिक रन बनाये हैं। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल के साथ ही ऑलराउंडर शिमरोन हेटमायर भी तेजी से रन बना सकते हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास

इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने बनाने वाले स्पिनर यजुवेन्द्र चहल हैं जिनका सामना करना गुजरात के लिए आसान नहीं रहेगा। इसके अलावा टीम के पास अनुभवी स्पिन आर अश्विन हैं। तेज तेज गेंदबाज के तौर पर टीम के पास प्रसिद्ध कृष्णा , ट्रेंट बोल्ट हैं। इन दोनो ही गेंदबाजों ने प्रभाव प्रदर्शन करते हुए विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया है।

आईपीएल के 15 वें सत्र में लगे 1000 छक्के

मुंबई (ईएएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में अब तक 1000 छक्के लगे हैं। पंजाब किंग्स के लियाम लिविंगस्टोन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए लीग मुकाबले में यह छक्का लगाया। 15 वें सत्र के इस अंतिम मैच में जॉनीबेयरस्टो और लिविंगस्टोन की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने सनराइजर्स पर जीत दर्ज की। यह पहली बार हुआ है जब किसी एक सत्र में 1000 छक्के लगे हों।

वहीं लिविंगस्टोन ने इस सत्र मेंसबसे ज्यादा छक्के लगाने वालों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस बल्लेबाज ने अब तक 34 छक्के लगाये हैं। वहीं इस सत्र में सबसे ज्यादा 37 छक्के जोस बटलर के नाम हैं और वह पहले नंबर पर हैं। आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के

2022 में 1001 , 2018 में 872 , 2019 में 784 , 2020 में 734
2012 में 731

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका शुरु करेगा टी20 लीग

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर ही अब क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक नई फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की घोषणा की है। इसमें छह टीम शामिल रहेंगी। यह लीग अगले साल जनवरी में खेली जाएगी। इसमें शीर्ष तीन पक्षों के प्ले-ऑफ चरणों से पहले लीग में छह टीमें एक दूसरे के साथ डबल राउंड में खेलेंगी। तीन से चार सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 37 मैच होंगे। आईपीएल की तरह ही इस टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में चार विदेशी खिलाड़ियों को शामिल कर सकेगी। इसमें नीलामी सहित अन्य मामलों की जानकारी आने वाले दिनों में दी जाएगी। इस प्रतियोगिता का पहला संस्करण जनवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका के ऑस्ट्रेलिया दौरे के तत्काल बाद खेला जाएगा। इस प्रकार साल का पहला महीना इस लीग के लिए विंडो रहेगा।

सीएसए के सीईओ फोलेत्सी मोसेकी ने लीग की घोषणा के साथ ही कहा, हम इसके गठन से उत्साहित हैं जो फ्रेंचाइजी में निजी निवेश का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने साथ ही कहा कि कई संभावित स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने इस लीग के प्रति उत्साह दिखाया है। मोसेकी ने कहा कि इसमें सबसे अच्छे स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आकर्षित करने के लिए अच्छा वेतन दिया जाएगा।

जन हितैषी

पृष्ठ :3 दिनांकः 24-05-2022 मंगलवार अहमदाबाद

सोने और चांदी की कीमत में शानदार तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। हफ्ते के पहले दिन सोने और चांदी की कीमत में शानदार तेजी आई है। एमसीएक्स पर जून डिलिवरी वाला सोना सोमवार को 68 रुपये तेजी के साथ खुला और दिन चढ़ने के साथ इसमें तेजी आई। दोपहर बाद पौने तीन बजे यह 260 रुपये की तेजी के साथ 51089.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था। यह इसका एक हफ्ते का उच्चतम स्तर है। पिछले सत्र में यह 50829,00 रुपये के भाव पर बंद हुआ था और आज 50897.00 रुपये पर खुला। सुबह के सत्र में इसने 50897.00 का न्यूनतम और 51124.00 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी भी 753 रुपये की तेजी के साथ 62160.00 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी।

जानकारों का कहना है कि सोने का रेट 50 से 52 हजार रुपये के बीच हो, तब जूलरी खरीद लेनी चाहिए। अब इंतजार करना ठीक नहीं होगा। आने वाले दिनों में बाजार में जूलरी की कमी भी महसूस हो सकती है। बहुत से सुनारों ने सोने का भाव ऊंचा होने की वजह से स्टॉक भी रोक रखा था। गोल्ड का रेट 50 हजार रुपये के आसपास रहेगा, तब सभी अपने स्टॉक को भरने वाले हैं, रेट घटेगा, तब माल बिकेगा। इससे जूलरी लाइन में बूम आएगा।

जिनके घरों में शादी-ब्याह हुए, उन्होंने सोने-चांदी के आभूषण खरीदे। अब उन लोगों को भी खरीदारी कर लेनी चाहिए, जिनके यहां अगले 3-4 महीनों में कार्यक्रम होने हैं। ब्याज दर बढ़ने से सोना टूटा है। पिछले कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 1000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा और चांदी में 2000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। हाल में फेडरेल रिजर्व, बैंक ऑफ इंग्लैंड और आरबीआई की ओर से ब्याज दर में इजाफा किया गया। यह ग्राहकों के लिए स्वर्णिम अवसर है। अब सोने का भाव नीचे आया है, तब लोग खरीदारी के साथ इन्वेस्टमेंट भी कर रहे हैं। शादी-ब्याह के लिए शॉपिंग जारी है। हर कोई लाभ लेना चाहता है।

आने वाले दिनों में सोने के भाव में थोड़ी गिरावट आ सकती है। उम्मीद है कि 48 से 50 हजार रुपये तौला भी सोना पहुंच जाए। अब जूलर्स भी दीपावली की खरीदारी शुरू करे। दुकानदार सैंपलिंग करने वाले हैं। कंपनियों के ऑर्डर उठाएंगे, जिसे दीपावली तक डिलीवर करना होगा। अब कोरोना संक्रमण कमजोर हो गया है। मार्केट में कोरोना का भय भी नहीं है। शादी-ब्याह में पूरी भीड़ जुट रही है। गिफ्ट देने का चलन लौटा है। सोने-चांदी के गिफ्ट आइटम्स की सेल बढ़ी है। फंक्शन में शामिल होने वालों की संख्या बढ़ी है। लोग भी कार्यक्रमों में नई जूलरी पहनकर जाना पसंद कर रहे हैं। इससे जूलर्स का बिजनेस उठा है।

मंकीपॉक्स को लेकर हर किसी को चिंतित होना चाहिए: बाइडेन

प्योंगतेक (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि यूरोप तथा अमेरिका में हाल में सामने आए मंकीपॉक्स के मामलों को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता है। इस बीमारी पर पहली बार बाइडेन ने कहा ?कि चिंता की बात यह है कि अगर यह संक्रमण फैला तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। बाइडेन दक्षिण कोरिया के ओसान हवाई अड्डे पर पत्रकारों द्वारा इस बीमारी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में एशिया की अपनी पहली यात्रा के क्रम में बाइडन ने जापान रवाना होने से पहले सैनिकों से मुलाकात की। बाइडेन ने कहा ?कि अभी मुझे संक्रमण के प्रसार के बारे में नहीं बताया गया है, लेकिन इसके बारे में हर किसी को चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए काम चल रहा है कि कौन-सा टीका प्रभावी हो सकता है। मंकीपॉक्स के मामले अफ्रीका के बाहर विरले ही देखने को मिलते हैं लेकिन शुक्रवार तक दुनियाभर में इसके 80 मामलों की पुष्टि हुई। इनमें से कम से कम दो मामले अमेरिका में सामने आए। हालांकि, यह बीमारी चेचक जैसी है, लेकिन इसके लक्षण हल्के होते हैं। मरीज आम तौर पर अस्पताल में भर्ती हुए बिना दो से चार हफ्तों में ठीक हो जाते हैं, लेकिन कभी-कभी यह बीमारी जानलेवा भी हो जाती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार ने शुरुआत बढ़त खो दी। धातु कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली से भी बाजार में यह गिरावट आई है। लौह अयस्क और कुछ इस्पात उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगने के कारण ये बिकवाली हुई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 37.78 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 54,288.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 51.45 अंक करीब 0.32 फीसदी नीचे आकर 16,214.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 12.53 फीसदी की गिरावट रही। इसके साथ ही अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, पावर ग्रिड, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये हैं।

वहीं, दूसरी तरफ एमएंडएम, मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इससे पहले शुक्रवार को बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की ऊपर आया है जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है। वहीं यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में लाभ में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे।

स्टील पर एक्सपोर्ट डयूटी लगाने से स्टील कंपनियों के शेयर गिरे, टाटा स्टील में 14 गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में सोमवार को तेजी के बीच स्टील कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सरकार ने स्टील पर एक्सपोर्ट डयूटी लगाने का फैसला किया है। अभी तक भारतीय स्टील के निर्यात पर जीरो डयूटी लगती थी। इस पर सरकार ने 15 फीसदी की एक्सपोर्ट डयूटी लगा दी है। सरकार के इस कदम से भारतीय स्टील के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 फीसदी बढ़ जाएंगे।

इससे स्टील कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में 14 फीसदी तक गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर 14 फीसदी गिरावट के साथ 1007.30 पर आ गया। दोपहर बाद दो बजे टाटा स्टील का शेयर बीएसई पर 12.31 फीसदी गिरावट के साथ 1026.20 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। जिंदल स्टील एंड पावर का शेयर भी 13 फीसदी से अधिक गिरावट के साथ 478.90 रुपए पर आ गया।

सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील कंपनी सेल का शेयर भी 13 फीसदी गिर गया जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 11 फीसदी गिरावट आई। गोदावरी पावर एंड इस्पात (का शेयर 20 फीसदी का लोअर सर्किट छूकर 311.70 फीसदी पर आ गया।

सरकार ने स्टील बनाने में काम आने वाले लौह अयस्क और पेलेट्स जैसे कच्चे माल पर एक्सपोर्ट डयूटी लगाने की घोषणा की। सभी तरह के लौह अयस्क पर एक्सपोर्ट डयूटी 30 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी कर दी गई है। इसी तरह हॉट-रोल्ड और कोल्ड-रोल्ड स्टील प्रॉडक्ट्स पर एक्सपोर्ट डयूटी 15 फीसदी कर दी गई है जबकि पहले इस पर कोई डयूटी नहीं थी। दूसरी ओर सरकार ने पीएसआई, मेट कोल और कोकिंग कोल जैसे कच्चे माल पर आयात शुल्क में कटौती की है।

रिलायंस सिक्योरिटीज के एनालिस्ट कुणाल मोतीशा ने कहा कि स्टील पर एक्सपोर्ट डयूटी लगने से घरेलू बाजार में सप्लाई बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आएगी। ब्रोकरेज फर्म एडलवाइस ने कहा कि सरकार के इस फैसले से स्टील सेक्टर पर निगेटिव असर होगा। इसके कंपनियों के कैपेक्स प्लान प्रभावित हो सकते हैं। सीएलएसए ने स्टील शेयरों के अनुमान को घटा दिया है। ग्लोबल ब्रोकरेज ने टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसपीएल के शेयरों की रेटिंग को डाउनग्रेड कर दिया है।

भारत में फाइनेंशियल ईयर 2022 में 1.35 करोड़ टन फिनिश्ड स्टील का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 1.08 करोड़ टन स्टील का एक्सपोर्ट किया था। इस दौरान घरेलू स्टील की खपत 10.6 करोड़ टन रही जबकि पिछले साल यह 9.4 करोड़ टन थी। वित्त वर्ष 2022 में देश से 1.53 करोड़ टन आयरन ओर का निर्यात हुआ 1.1 करोड़ टन आयरन ओर पेलेट्स को एक्सपोर्ट किया गया।

सस्ता पेट्रोल-डीजल सरकार को पड़ रहा महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करके मोदी सरकार ने आम जनता को तो तात्कालिक राहत तो दे दी है, लेकिन सरकार को यह राहत इतनी महंगी पड़ रही है कि घाटे की भरपाई के लिए करीब एक लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेने पड़ रहे हैं। सरकार ने इसकी तैयारी भी कर ली है। बता दें पेट्रोलियम उत्पादों की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आम जनजीवन पर पड़ रहे असर को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपए एवं छह रुपए प्रति लीटर तक की कटौती की घोषणा की थी। इससे कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में तेजी, बिटकॉइन, एवलॉन्च और ट्रोन में भी बढ़त

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को लगभग तीन फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सुबह वै?श्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.88 फीसदी के उछाल के साथ 1.29 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा था। बिटकॉइन और इथेरियम में भी उछाल देखा गया है। बड़ी और नामी करेंसीज़ भी हरे निशान पर कारोबार कर रही थी। बिटकॉइन 3.02 फीसदी उछलकर 30,198.64 पर ट्रेड कर रहा था। दूसरा सबसे बड़ा कॉइन इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 3.28 फीसदी बढ़कर 2,033.58 पर पहुंच गया। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बिटकॉइन का प्रभुत्व 44.5 फीसदी है तो इथेरियम 19 फीसदी है। पिछले 24 घंटों के भीतर सबसे ज्यादा बढ़ने वाले तीन कॉइन्स में स्वीट सोल, यूबीटीसी, और डीकेटी शामिल रहे। स्वीट सोल में पिछले 24 घंटों के दौरान 600.17 फीसदी का उछाल आया है। यूबीटीसी में इसी समय के दौरान 339.70 फीसदी का और डीकेटी में 313.70 प्रतिशत का उछाल आया है।

पांच महीने में कपास की कीमत 53 फीसदी बढ़ी

- दक्षिण भारत की छोटी स्पिनिंग ?मिलों ने खरीद बंद करने का ?लिया फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। कपास की कीमत में भी जोरदार इजाफा हो गया है ?जिसकी वजह से द?क्षिण भारत की छोटी ?स्पिनिंग ?मिलें इसको खरीदने से कतरा रही है। दक्षिण भारत के एक स्पिनर एसोसिएशन का कहना है कि कपास की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण छोटी स्पिनिंग मिलों ने खरीद बंद करने का फैसला किया है। साउथ इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जे सेलवन ने कहा कि पिछले 5 महीने में कपास की कीमत प्रति कैंडी 53 फीसदी बढ़कर 1.15 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि कीमत बढ़ने का मुख्य कारण इस साल कपास का कम उत्पादन है। इस बीच यार्न की कीमत जनवरी में जहां 328 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वह 21 मई को बढ़कर 399 रुपये पर पहुंच गई। सेलवन ने कहा कि दाम बढ़ने से मिलों को 50-60 रुपये प्रति किलोग्राम का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने देश में कपास पैदावार पर सटीक आंकड़े मौजूद नहीं होने का हवाला देते हुए कहा कि बड़े व्यापारियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कपास के मौसम की शुरुआत में बड़ी मात्रा में कच्चे माल खरीदकर उसका भंडारण कर लिया था।

हालांकि, कुछ मात्रा में कपास का ?निर्यात किया गया, लेकिन कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हमारे सदस्य वर्किंग कैपिटल की कमी के कारण इसे नहीं खरीद पा रहे हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने एक बैठक में कपास और धागे की कीमतों में आए असाधारण उछाल पर विचार-विमर्श किया था। उन्होंने कहा था कि कपास को लेकर ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए कि सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना पड़े। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि केवल सरप्लस कपास का ?निर्यात किया जाए। खासकर छोटी मिलों का कहना था कि कपास की कीमतें एक वर्ष में दोगुने से अधिक हो गईं हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने कपास और धागे के एक्सपोर्ट पर एक अल्पकालिक पाबंदी, कपास को आवश्यक वस्तु की श्रेणी में रखने और कमोडिटी एक्सचेंजों में इसके कारोबार को हटाने का अनुरोध किया था।

दुनिया में विभिन्न वजहों से विस्थापित लोगों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर पहुंची

बर्लिन (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने कहा है कि संघर्ष, हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन और उत्पीड़न से बचने के लिए दुनियाभर में 10 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। एजेंसी ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध के कारण लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैंडी ने कहा विस्थापित लोगों की संख्या 10 करोड़ से पार हो गई है। यह एक रिकॉर्ड है जो कभी नहीं बनना चाहिए था। यूएनएचसीआर ने कहा कि इथियोपिया, बुर्किना फासो, म्यांमार, नाइजीरिया, अफगानिस्तान और कांगो सहित कई देशों में हिंसा या संघर्ष की घटनाओं के कारण 2021 के अंत तक दुनियाभर में विस्थापित लोगों की संख्या नौ करोड़ तक पहुंच गई थी। यूक्रेन में युद्ध के कारण छह लाख से अधिक लोगों को देश छोड़ना पड़ा है।

अफगानिस्तान के पूर्व शासकों के साथ संबंध न रखे भारत, दूतावास खोलने पर पूरी सुरक्षा देंगे : तालिबान

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में काबिज तालिबान शासकों का कहना है कि भारत को अफगानिस्तान के पुराने शासकों के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख और आधिकारिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन के अनुसार, भारत को काबुल में तालिबान सरकार के साथ राष्ट्रीय और पारस्परिक हित के आधार पर संबंध स्थापित करना चाहिए और पूर्व अशरफ गनी सरकार के साथ सभी संबंधों को तोड़ देना चाहिए। दिप्रिंट के साथ एक विशेष इंटरव्यू में, तालिबान नेता ने कहा कि भारत को अफगानिस्तान के लोगों के साथ गहरे संबंध बनाने की कोशिश करनी चाहिए और काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि तालिबान भारतीय राजनयिकों को पूरी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

तालिबानी नेता ने कहा, हमने बार-बार घोषणा की है कि काबुल में काम कर रहे सभी राजनयिकों को सुरक्षा प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता है। यह हमारी जिम्मेदारी है और हमने इसे साबित कर दिया है। काबुल में कई दूतावास काम कर रहे हैं और हमने उन्हें पूरी सुरक्षा मुहैया कराई है। इसमें भारत भी शामिल है अगर वे अपना दूतावास खोलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ठअगर वे अपनी परियोजनाओं को पूरा करना चाहते हैं या नई पहल करना चाहते हैं तो उनका (भारत) स्वागत है। भारत को पूर्व काबुल प्रशासन (अशरफ गनी सरकार) के उन अधिकारियों के चश्मे से संबंध नहीं बनाना चाहिए जो अब अपने परिवारों के साथ पश्चिमी देशों में रह रहे हैं। भारत को अफगानिस्तान के लोगों के साथ संबंध बनाना चाहिए, वे वहां थे, वे वहां हैं और वे वहां रहेंगे। तो यह उनके लिए अच्छा है। अब हम दो स्वतंत्र सरकारें और देश हैं और हमारे बीच राष्ट्रीय हित के आधार पर और समानता और आपसी हित के आधार पर संबंध होने चाहिएठ

भारत ने अगस्त 2021 में काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया था। इससे पहले, भारत ने मजार-ए-शरीफ, कंधार, हेरात और जलालाबाद में अपने वाणिज्य दूतावासों को भी बंद कर दिया था।

भारत ने 200 करोड़ का चावल, दूध और दवाई श्रीलंका भेजी, पीएम रानिल विक्रमसिंघे ने जताया आभार

कोलंबो (ईएमएस)। संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के लोगों के लिए चावल, जीवन रक्षक दवाइयों, दूध पाउडर जैसी जरूरी राहत आपूर्ति लेकर एक भारतीय जहाज रविवार को कोलंबो पहुंचा और इस खेप को वहां की सरकार को सौंप दिया गया। भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने यह खेप श्रीलंका के विदेश मंत्री जी एल पीरीज को सौंपी। इसमें 9000 मीट्रिक टन चावल, 50 मीट्रिक टन दूध पाउडर और 25 मीट्रिक टन से अधिक दवाइयां एवं अन्य चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने ट्वीट किया श्रीलंका ने भारत से दूध पाउडर, चावल एवं दवाइयों के रूप में दो अरब रूपये की मानवीय सहायता प्राप्त की। इस सहायता के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन एवं भारत के लोगों के प्रति हमारा हार्दिक आभार। मैं श्रीलंका में भारतीयों एवं श्रीलंका में सीडब्ल्यूसी नेता एस थोंडमैन द्वारा प्रदत्त सहायता की तारीफ करता हूं।

एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु सरकार द्वारा 40,000 मीट्रिक टन चावल, 500 मीट्रिक टन दूध पाउडर और दवाइयों की सहायता के वादे के तहत यह पहली खेप है। श्रीलंका में भारत के उच्चायोग ने ट्वीट किया भारत के लोग श्रीलंका के लोगों के लिए फिक्रमंद हैं। उच्चायुक्त ने आज कोलंबो में विदेश मंत्री प्रो जी एल पीरीज को दो अरब रूपए (श्रीलंका की मुद्रा) से अधिक मूल्य का चावल, दूध पाउडर और दवाइयां सौंपी।

अंतरराष्ट्रीय कानून की बात आती हैं, तब तटस्थ रहना संभव नहीं

दावोस (ईएमएस)। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति इग्नेजियो कैसिस ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय कानून की बात आती है, तब तटस्थ रहना संभव नहीं है और तटस्थता केवल एक तरफ खड़े होने से संबंधित नहीं है, बल्कि एकजुटता से भी जुड़ा है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2022 में कैसियास ने यूक्रेन में युद्ध के संदर्भ में कहा, लोकतंत्र को निरंकुशता से अधिक मजबूत होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून अधिक मजबूत होना चाहिए...। उन्होंने कहा, ''जब हमारे लोकतांत्रिक वातावरण को खतरा हो तब व्यापक नियमों पर सोचना महत्वपूर्ण है। रूस पर प्रतिबंधों के स्पष्ट संदर्भ में उन्होंने कहा, ''जब अंतरराष्ट्रीय कानून की बात आती है, तब आप तटस्थ नहीं हो सकते।'' डब्ल्यूईएफ के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष क्लॉस श्वाब ने कहा, भविष्य संयोग से नहीं बनता है। भविष्य हमारे द्वारा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूईएफ की बैठक में दुनिया के सामने चार जरूरी मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया गया जिनमें यूक्रेन में युद्ध, महामारी, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक समानता शामिल हैं।

चीन दौरे पर रवाना हुईं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैशलेट, शिनजियांग पर रहेगा विशेष जोर

बीजिंग (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष मानवाधिकार अधिकारी सोमवार को चीन यात्रा पर रवाना हुईं। इस दौरान उनका ध्यान मुख्य रूप से पश्चिमोत्तर राज्य शिनजियांग पर रहेगा, जहां मानवाधिकारों के उल्लंघन की खबरें अक्सर आती रहती हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैशलेट का यह दौरा 2005 के बाद देश में किसी शीर्ष मानवाधिकार अधिकारी का पहला दौरा है।

चीन ने अपने उइगर, कज़ाख और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के 10 लाख से अधिक सदस्यों को बंद कर दिया है तथा आलोचक इसे उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को मिटाने का अभियान करार देते हैं। चीन का कहना है कि उसके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह शिनजियांग का दौरा करने तथा व्यवस्था और जातीय एकता को कायम रखने के लिये उसके द्वारा चलाए गए अभियान को देखने के लिये सभी का बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के स्वागत करता है।

बैशलेट दक्षिणी शहर ग्वांगझू से अपनी छह दिवसीय यात्रा की शुरुआत करेंगी और इसके बाद वह कशगर और शिनजियांग की क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी की यात्रा करेंगी। यात्रा को लेकर बेहद सीमित जानकारी दी गई है और कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण वाले मीडिया ने उनके दौरे की खबर नहीं दी है। एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या बैशलेट को अब बड़े पैमाने पर खाली नजरबंदी शिविरों में जाने की अनुमति दी जाएगी, जिन्हें चीन पुनर्शिक्षा केंद्र कहता है। इसके अलावा क्या उन्हें धार्मिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता का आह्वान करने के कारण कैद किए गए अर्थशास्त्री व सखारोव पुरस्कार विजेता इल्हाम तोहती जैसी शख्सियतों से उन्हें मिलने दिया जाएगा?

चीन पर जबरन श्रम, जबरन जन्म नियंत्रण और जेल में बंद माता-पिताओं से उनके बच्चों को अलग करने का भी आरोप लगाया गया है वहीं निगरानी समूह द डुई हुआ फाउंडेशन का कहना है कि रमजान के लिए उपवास या इस्लामी किताबें बेचने को लेकर भी लोगों को निशाना बनाया गया। यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या बैशलेट उन अधिकारियों से मुलाकात कर पाएंगी जिन्होंने शिनजियांग में कार्रवाई का नेतृत्व किया था। ऐसे लोगों में पार्टी के पूर्व सचिव चेन क्वांगुओ भी शामिल हैं जो अब बीजिंग में एक अधिकारी हैं।

बैशलेट की उच्च स्तरीय राष्ट्रीय और स्थानीय अधिकारियों, नागरिक संस्थाओं, व्यापार प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों के साथ चर्चा करने और गुआंगझू विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करने की योजना है। एमनेस्टी इंटरनेशनल नामक संस्था ने कहा कि बैशलेट को अपनी यात्रा के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों और घोर मानवाधिकारों के उल्लंघन को उठाना चाहिए। एमनेस्टी इंटरनेशनल के महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने एक बयान में कहा मिशेल बैशलेट की शिनजियांग की काफी समय बाद हो रही यात्रा क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर गौर करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, लेकिन यह सच्चाई को छिपाने के चीनी सरकार के प्रयासों के खिलाफ चल रही लड़ाई भी होगी।

सबसे बड़े जहाजी बेड़े से चीन कराता है 95 फीसदी अवैध फिशिंग, अब क्वाड कसेगा लगाम

टोक्यो (ईएमएस)। क्वाड की अहम बैठक के लिए सदस्य देशों के नेता जापान में जुटने शुरु हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी टोक्यो पहुंच चुके हैं। यहां वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के पीएम फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त पीएम एंथनी अल्बानीज के साथ मंगलवार को शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। बताया जा रहा है कि क्वाड बैठक के दौरान चारों देश मिलकर एक मैरिटाइम सर्विलांस प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे।

इसका मकसद चीन की ओर से इंडो पैसिफिक रीजन में बड़े पैमाने पर की जा रही अवैध फिशिंग पर प्रभावी रोक लगाना है। आइए बताते हैं कि ये मैकेनिजम क्यों जरूरी है और चीन किस तरह से दूसरे देशों के इलाके में घुसपैठ करके मछली पकड़कर उन्हें कितनी बड़ी चोट पहुंचा रहा है। अवैध रूप से मछली पकड़ने से लाखों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में करीब 3.3 अरब लोगों को पशुओं से मिलने वाले प्रोटीन के 20 फीसदी हिस्से की भरपाई मछली खाने से होती है। लगभग 6 करोड़ लोग मछली पालन और पानी में खेती के कारोबार से जुड़े हुए हैं।

अवैध फिशिंग से होने वाले आर्थिक नुकसान का सटीक आंकड़ा तो मुश्किल है लेकिन कुछ अनुमान बताते हैं कि इसकी वजह से हर साल 20 अरब डॉलर (1500 अरब रुपए) का नुकसान होता है। यह संकट इतना भयानक है कि 2020 में अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने कह दिया था कि गैरकानूनी फिशिंग अब समुद्री डकैतियों से भी बड़ा खतरा बन चुकी है। इंडो पैसिफिक ही नहीं, बाकी इलाकों में भी अगर मछली पालन उद्योग बर्बाद होता है, तो कई तटीय देशों की अर्थव्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। इंसानों की तस्करी, ड्रग्स से जुड़े अपराध और आतंकी वारदातों की बाढ़ आ सकती है।

चीन किस कदर अवैध फिशिंग को बढ़ावा देता है, इसका नमूना 2021 के आईयूयू फिशिंग इंडेक्स से मिलता है। एक्सप्रेस के मुताबिक, 152 तटीय देशों की इस लिस्ट में चीन नियम तोड़ने के मामले में सबसे ऊपर है। चीन को इंडो पैसिफिक रीजन में होने वाली 80 फीसदी से 95 फीसदी अवैध फिशिंग के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

अपनी घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए वह अपने इलाके में इतनी मछलियां पकड़ चुका है कि वहां उनकी कमी हो गई है। इसलिए अब वह दूर-दूर तक अपनी नाव भेजकर फिशिंग कराता है। माना जाता है कि वह इस काम के लिए सब्सिडी तक देता है। एक ग्लोबल थिंकटैंक ओडीआई के अनुसार, चीन के पास मछली पकड़ने के लिए दुनिया में सबसे बड़ा जहाजी बेड़ा है। दूर पानी में मछली पकड़ने (डीडब्ल्यूएफ) के लिए उसके पास 17,000 से ज्यादा जहाज हैं। ये जहाज इतने सक्षम हैं कि एक ही बार में भारी मात्रा में मछलियां पकड़ सकते हैं।

चीन इनका इस्तेमाल कमजोर देशों के मछली पकड़ने वाले जहाजों को धमकाने और अपना रणनीतिक प्रभाव दिखाने के लिए भी करता है। कई विकासशील देशों में चीन के इस जहाजी बेड़े की अच्छी खासी तादाद में मौजूदगी है। 2019 और 2020 में चीन के दूर पानी में फिशिंग करने वाले बेड़े के कुल अधिकृत ऑपरेशनों में से एक तिहाई अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के 29 एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन किए गए थे।

चीन की इसी बड़े पैमाने पर की जाने वाली अवैध फिशिंग के खिलाफ अब क्वाड के देश उठ खड़े हुए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हिंद महासागर से दक्षिणी प्रशांत सागर तक चीन की अवैध फिशिंग पर रोक लगाने के लिए सैटेलाइट तकनीक का इस्तेमाल करके एक ट्रैकिंग सिस्टम बनाया जाएगा। इसके लिए सिंगापुर और भारत में सर्विलांस सेंटरों को आपस में जोड़ा जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि भले ही मछली पकड़ने वाली नाव अपने ट्रांसपोंडर को बंद कर दें, फिर भी उन्हें ट्रैक किया जा सकेगा। क्वाड देशों के इस कदम को प्रशांत सागर के छोटे द्वीपीय देशों पर चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने की कवायद के तौर पर भी देखा जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के ओमीक्रोन वैरिएंट के दो उप-स्वरूपों बीए.4 और बीए.5 के मामले बढ़े

केपटाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका में हाल के हफ्तों में सार्स-सीओवी-2 के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़ गई है। ये मामले ओमीक्रोन स्वरूप के दो उप-स्वरूपों बीए.4 और बीए.5 के हैं। इन मामलों में गौर करने की बात यह है कि वर्तमान के मामलों और कोविड-19 की पहली चार लहरों में सामने आए मामलों में काफी अंतर है। पहला अंतर यह है कि दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी लोगों में किसी न किसी प्रकार की प्रतिरोधक क्षमता है, ये संक्रमण रोधी टीका लगवाने के कारण या संक्रमित हो चुके होने के कारण विकसित हो सकती है।

दूसरा अंतर यह है कि इस लहर में कम लोगों को ही अस्पतालों में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। मृतक संख्या भी काफी कम है। तीसरा अंतर यह है कि संक्रमण के ये मामले चौथी लहर के लिए जिम्मेदार ओमीक्रोन स्वरूप के उप-स्वरूपों से जुड़े हैं। चौथा अंतर यह है कि देश में इस बार प्रतिबंध अन्य लहरों की तुलना में काफी कम है।

यह अंतर इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि इनसे कोविड-19 के रुख के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है और उसके हिसाब से तैयारियां की जा सकती हैं। ये दिखाते हैं कि दक्षिण अफ्रीका महामारी के एक नए चरण में प्रवेश करता प्रतीत होता है। आगे क्याः मामलों की संख्या और परिणाम दिखाते हैं कि संक्रमण काफी फैला है, लेकिन जांच के तरीकों में वक्त के साथ आए बदलावों का निहितार्थ यह है कि इन मामलों की पहले की लहर के मामलों से सीधी तुलना नहीं की जा सकती। ताजा आंकड़ें दिखाते हैं कि नए मामलों की संख्या बढ़ने की दर कम होनी शुरू हो गई है।

18वीं शताब्दी का दुर्लभ फूलदान बिका 11.53 करोड़ में

किचन में 40 साल से पड़ा था 'बेकार'

लंदन (ईएमएस)। 18वीं शताब्दी का 'बेहद दुर्लभ' चीनी फूलदान 11.53 करोड़ रुपए में बिका है। 2 फुट लंबे फूलदान के मालिक के सर्जन पिता 1980 के दशक में इसे घर लाए थे क्योंकि उन्हें यह बेहद आकर्षक लगा। यह बेशकीमती फूलदान चार दशकों से एक ब्रिटिश परिवार की किचन में रखा हुआ था। शुरुआत में किसी को भी इसकी वास्तविक कीमत का अंदाजा नहीं था इसलिए इसे किचन में ही रख दिया गया। एक विशेषज्ञ की सलाह पर बाद में इसे डाइनिंग रूम में एक सुरक्षित जगह पर रख दिया गया।

जानकारी के अनुसार उसी विशेषज्ञ ने कई साल बाद फूलदान के बेस पर चीनी सम्राट कियानलांग के छह कैरेक्टर वाले सील मार्क को देखा। एक्सपर्ट ने कहा कि यह संभवतः 18वीं शताब्दी के मध्य में किंग पैलेस के हॉल में प्रदर्शित किया गया था। फूलदान के मालिक ने इसे बेचने के लिए नीलामीकर्ताओं के संपर्क किया।अनुमान लगाया गया कि यह 100,000 से 150,000 पाउंड के बीच बिक सकता है। लेकिन एक रईस चीनी नागरिक ने इसे अपनी 'खोई हुई विरासत को वापस हासिल करने के लिए' खरीदा और यह फूलदान 1.2 मिलियन पाउंड में बिक गया। डूवेट्स में एशियाई सिरेमिक आर्ट के विशेषज्ञ मार्क न्यूस्टेड ने कहा, 'मैं 1990 के दशक में अपनी पत्नी के साथ लंच के लिए उनके घर पहुंचा। उनकी किचन में वह फूलदान देखकर मैं हैरान हो गया।'

मार्क न्यूस्टेड ने कहा, 'मुझे लगा कि यह कुछ बेहतरीन है लेकिन मैंने इसे उठाया नहीं क्योंकि ऐसा करना मुझे सही नहीं लगा। कुछ साल के बाद मैंने इसे दोबारा देखा और इस बार अच्छे से देखा। सर्जन ने इसे एक सजावट के सामान के तौर पर खरीदा था। हमारे पास इसकी रसीद नहीं है लेकिन उनकी बेटी का अनुमान है कि यह 1988 से 1993 के बीच खरीदा गया था। उनकी नजर काफी अच्छी थी और यह एक महान खोज थी।

अमेरिका के प्रभाव से नाराज चीन जल्द ताइवान पर करेगा हमला?

-शीर्ष मिलिट्री जनरलों का कथित ऑडियो लीक

बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान को लेकर चीन के तेवर लगातार तल्ख रहे है और अब ताइवान पर अमेरिकी प्रभाव से वह इतना खिन्न है कि वहां पर यूक्रेन में रूसी फौजों की तरह अपनी सेना उतारने पर विचार कर रहा है? एक लीक हुए ऑडियो क्लिप पर यकीन करें तो ये बात सच हो सकती है। ये ऑडियो चीन में पैदा हुई एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जारी किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ऑडियो क्लिप में चीन के टॉप मिलिट्री जनरल ताइवान में युद्ध को लेकर अपनी रणनीति बनाते हुए सुने जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये ऑडियो क्लिप 57 मिनट की है। इसमें चीन के टॉप वॉर जनरल चर्चा कर रहे हैं कि ताइवान में जंग कैसे छेड़ी जाए और किस तरह उसे आगे बढ़ाया जाए। इसमें चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जमीनी आक्रमण की योजना का जिक्र है। साइबर हमले और अंतरिक्ष में मौजूद हथियारों के इस्तेमाल की रणनीति बनाई गई है। इसके अलावा दुनिया भर की सरकारों और संस्थाओं में चीन ने अपने जो नागरिक घुसा रखे हैं, उन्हें एक्टिवेट करने की भी बात है।

एक्टिविस्ट जेनिफर झेंग ने ट्वीट में दावा किया है कि पहली बार चीनी जनरलों की टॉप सीक्रेट मीटिंग की रिकॉर्डिंग करके लीक किया गया है। इसके लिए एक लेफ्टिनेंट जनरल और तीन मेजर जनरलों को सजा-ए-मौत दी जा चुकी है। कई अन्य अधिकारी जेल भेज दिए गए हैं। ये ऑडियो चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) में विद्रोह का सबसे बड़ा सबूत है। दावा किया जा रहा है कि ये बैठक 14 मई को हुई थी। इसका ऑडियो पहली बार ल्यूड मीडिया ने लीक किया था। ल्यूड मीडिया का कहना है कि ये ऑडियो सीपीसी के एक बड़े अधिकारी ने लीक किया था, जो ताइवान को लेकर राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इरादों की पोल खोलना चाहता था। ऑडियो में हो रही बातचीत के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि उस बैठक में राजनीतिक नेतृत्व के अलावा ग्वांगडोंग के पार्टी सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी, गवर्नर और वाइस गवर्नर भी मौजूद थे। ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर नॉर्मल स्टेटस को वॉर स्टेटस में बदलने। मिलिट्री प्लानिंग और सेना की तैनाती पर चर्चा सुनी जा सकती है। इसमें ताइवान में तैनात स्वतंत्र सेनाओं को चुनौती देने और जरूरत पड़ने पर जंग छेड़ने का भी जिक्र है। ग्वांगडोंग प्रांतीय पार्टी कमिटी की स्थायी समिति की बैठक में नैशनल डिफेंस मोबिलाइजेशन कमांड सिस्टम बनाने, वॉर मैकेनिजम लागू करने और इन पर निगरानी का सिस्टम तैयार की रणनीति बनाई गई।

ये ऑडियो ऐसे समय सामने आया है, जब ताइवान में चीनी सेना की घुसपैठ पिछले कुछ समय में बहुत बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मई महीने में ही ताइवान के एयरस्पेस में चीन 68 मिलिट्री एयरक्राफ्ट भेज चुका है। इनमें 30 फाइटर जेट, 19 स्पॉटर प्लेन, 10 बॉम्बर और 9 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। पिछले साल चीन ने 239 दिनों में 961 बार ताइवान की सीमा का अतिक्रमण किया था। चीन के इरादों को देखते हुए ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल में नागरिकों के लिए 28 पेज की एक हैंडबुक जारी की थी, जिसमें बताया गया था कि सैन्य संकट या आपदा के दौरान वो क्या करें, क्या न करें। हमले के समय मोबाइल ऐप के जरिए सुरक्षित जगह कैसे ढूंढें। हवाई हमले, आग लगने, इमारत ढहने, बिजली कटने और प्राकृतिक आपदाओं से किस तरह खुद को बचाएं। बता दें कि ताइवान चीन के दक्षिण पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर है। वह खुद को एक आजाद देश मानता है। जबकि चीन उसे अपना प्रांत समझता है और मानता है कि एक दिन वह फिर से चीन का हिस्सा बन जाएगा। चीन ताइवान में अमेरिका समर्थक कई देशों की मौजूदगी के भी खिलाफ है।

राज्य सरकार और एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट-यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो ट्रस्ट इन इंडिया के बीच गांधीनगर में हुआ एमओयू

- भारत को 2070 तक 'नेट जीरो एमिशन' बनाने की प्रतिबद्धता को साकार करने गुजरात की नई पहल

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को 2070 तक नेट जीरो एमिशन यानी शुद्ध शून्य उत्सर्जन की दिशा में ले जाने के लिए व्यक्त की गई प्रतिबद्धता को साकार करने की दिशा में पहल करते हुए गुजरात ने अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में सोमवार को गांधीनगर में गुजरात सरकार और एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट-यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो तथा दक्षिण एशिया के जे-पाल के बीच इस संबंध में एक समझौता करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री कनु देसाई भी मौजूद रहे। इस एमओयू के परिणामस्वरूप गुजरात कार्बन मार्केट के आयोजन के संबंध में विचार करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवंबर-2021 में ग्लासगो में आयोजित हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-26) में भारत को 2070 तक नेट जीरो इमिशन यानी शुद्ध शून्य उत्सर्जन की दिशा में ले जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। भारत ने इस संदर्भ में 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाने के लिए पांच लक्ष्य निर्धारित किए हैं। कार्बन उत्सर्जन को लगभग 1 बिलियन टन तक घटाने के लिए एनर्जी मिक्स यानी ईंधन हिस्सेदारी में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान 50 फीसदी होगा। देश की सर्वाधिक वाइब्रेंट अर्थव्यवस्था के रूप में गुजरात ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। इतना ही नहीं, पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के जरिए गुजरात पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास दोनों अहम विषयों को परिपूर्ण करता है। गुजरात सरकार ने अब कार्बन डाईऑक्साइड (सीओटू) मार्केट शुरू करने की दिशा में पहल करते हुए यह एमओयू किया है। इसके परिणामस्वरूप, अत्याधुनिक और समयानुकूल वैश्विक जलवायु नीति में गुजरात को विशिष्ट स्थान मिलेगा और गुजरात में पर्यावरण संरक्षण के साथ उद्योगों का विकास होगा। इसके साथ ही, मानव जीवन को स्वास्थ्यप्रद और शुद्ध वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। गुजरात में बड़ी मात्रा नए निवेश आएंगे और 'सीओटू' मार्केट के क्षेत्र में गुजरात पूरे देश में एक अनूठा उदाहरण बनेगा। उल्लेखनीय है कि गुजरात ने इसके अंतर्गत पहल करते हुए सूरत महानगर में पार्टिकुलेट मैटर (हवा में मौजूद सूक्ष्म कण) के लिए दुनिया की पहली 'उत्सर्जन ट्रेडिंग योजना' शुरू की है। इस प्रोजेक्ट को वर्ष 2019 में सूरत में एक बड़े पायलट प्रोजेक्ट के रूप में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से संयुक्त रूप से शुरू किया गया है। सूरत के लगभग 350 हाइली पॉल्यूटेड इंडस्ट्रीज यानी अत्यधिक प्रदूषित उद्योग इस प्रोजेक्ट का लाभ उठा रहे हैं। इसके चलते उद्योगों के उत्सर्जन में 24 फीसदी की कमी होने से हवा शुद्ध हुई है। इस सफलता के चलते अब गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अहमदाबाद, वापी, वडोदरा और भरूच में भी इस प्रोजेक्ट का विस्तार कर रहा है। गुजरात ने 'सीओटू' मार्केट सेटअप कर भारत को नेट जीरो इमिशन राष्ट्र बनाने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता में भी एक आदर्श राज्य बनने की मंशा के साथ आज एमओयू किया है। इस एमओयू पर गुजरात सरकार की ओर से उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता, जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव एसजे हैदर और ऊर्जा विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती ममता वर्मा ने हस्ताक्षर किए। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की ओर से सहयोगी निदेशक आलिया खान और जे-पाल की ओर से कार्यकारी निदेशक शोभिनी मुखर्जी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता, उद्योग, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद रहे।

मन्नत पूरी करने की विधि के नाम पर युवती से शारीरिक छेड़छाड़ के आरोप में तांत्रिक गिरफ्तार

तापी (ईएमएस) जिले की डोलवण पुलिस ने मन्नत पूरी करने की विधि के नाम पर एक युवती को निर्जन स्थान पर बुलाकर शारीरिक छेड़छाड़ के मामले में आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की है। घटना तापी जिले के डोलवण की है, जहां वजेसिंग उर्फ मदन चौधरी नामक पाखंडी तांत्रिक ने 23 वर्षीय एक युवती को मन्नत पूरी करने के बहाने निर्जन स्थान बुलाया था। निर्जन स्थान पर युवती के पहुंचने के बाद पाखंडी तांत्रिक ने उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर डोलवण पुलिस ने आरोपी तांत्रिक वजेसिंग उर्फ मदन चौधरी के खिलाफ रिपोर्ट दर की और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की। तांत्रिक ने अन्य किसी महिला या युवती के साथ इस प्रकार की हरकत की या नहीं इसकी भी जांच शुरू की है।

मोदी को एआईएमआईएम की रोक सकती है, कांग्रेस और राहुल गांधी में दम नहीं : ओवैसी

सूरत (ईएमएस) एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस को लेकर बड़ा बयान दिया है। दक्षिण गुजरात के सूरत में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी को एआईएमआईएम ही रोक सकती है। देश के इतिहास से साफ हो रही कांग्रेस और राहुल गांधी में मोदी को रोकने का दम नहीं। ओवैसी ने मुसलमानों से अपने हक के लिए संगठित होने की अपील करते हुए कहा कि गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव में उनकी पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। देश के युवाओं को रोजगार, जाति-पात के भेदभाव के बगैर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाकर अन्य मुद्दों को पैदा किया जा रहा है। ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के इतिहास में खत्म होने जा रही है। कांग्रेस या राहुल गांधी में दम नहीं कि वह मोदी का मुकाबला कर सकें। अगर कोई मोदी रोक सकता है तो वह असदुद्दीन ओवैसी। गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच सांठगांठ है। अगर आप कांग्रेस को वोट देते हैं तो वह भाजपा को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को मुगल ही हर चीज के लिए जिम्मेदार नजर आते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या ईंधन की कीमतों के लिए औरंगजेब, बेरोजगारी के लिए अकबर और महंगाई के लिए शाहजहां जिम्मेदार है? एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद का उठा तब ना तो कांग्रेस और ना ही केजरीवाल कुछ बोले। केवल असदुद्दीन ओवैसी ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि आज देश में मुगलों की बात चल रही है, जबकि भारत के मुसलमानों का मुगलों से कोई वास्ता नहीं है। भारत की पहली मस्जिद केरल में बनाई गई थी और इसका निर्माण किसी मुगल नहीं करवाया था। पुष्यमित्रा ने बुद्ध मंदिरों को ध्वस्त किया था, लेकिन उस पर चर्चा करने के बजाए ताजमहल की खुदाई करने की बात करते हैं। ओवैसी ने कहा कि अगर ताजमहल को खोदना है तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घर के नीचे भी मस्जिद है, जिसे मैं खुदाई कर देखना चाहता हूं। क्या मोदी की आस्था और ओवैसी की आस्था में फर्क है? भारत देश किसी की आस्था पर नहीं चलता। भारत का मुसलमान देश का किरायेदार नहीं बल्कि हिस्सेदार है। उन्होंने कहा कि गुजरात में अशांत क्षेत्र कानून बनाया गया है। सूरत के कई क्षेत्रों में अशांत क्षेत्र कानून लागू है। ऐसे कानून को सूरत समेत गुजरातभर से रद्द किए जाने की एआईएमआईएम मांग करती है। ओवैसी ने जोर देकर कहा कि सरकार धर्म के नाम पर विभिन्न मुद्दे पैदा कर रही है, जिसकी वजह से देश विवाद बढ़ेगा। मुसलमानों के साथ अन्याय किया जा रहा है, इसके बावजूद विभिन्न राजनीतिक दल मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार पर खामोश है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को शिक्षा और रोजगार समेत अपने हक पाने के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा।

तापी-पार लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने का श्वेतपत्र जारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा : कांग्रेस विधायक

सूरत (ईएमएस) गुजरात सरकार तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने का ऐलान कर चुकी है, इसके बावजूद इस मुद्दे पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही। कांग्रेस ने प्रोजेक्ट रद्द करने की घोषणा को चुनाव से जोड़ते हुए आज सूरत में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। कांग्रेस विधायक अनंत पटेल ने कहा कि जब तक तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द किए जाने के बारे में सरकार श्वेतपत्र जारी नहीं करती तब उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मुद्दे को वांसदा में फिर एक बड़ी रैली का आयोजन किए जाने की जानकारी देते हुए अनंत पटेल ने कहा कि इस योजना को जड़ से उखाड़ देने को हम कटिबद्ध हैं। उमरगाम से लेकर अंबाजी तक हमारी आंदोलन जारी रहेगा। कांग्रेस नेता तुषार चौधरी ने सवाल उठाया कि केन्द्र सरकार के तापी-पार-नर्मदा प्रोजेक्ट को गुजरात सरकार कैसे रद्द कर सकती है? यह प्रोजेक्ट जल संसाधन मंत्रालय का है और इसे रद्द करने का ऐलान मुख्यमंत्री करते हैं। चौधरी ने इस प्रोजेक्ट की वजह से 35 हजार परिवार बेघर होने का दावा करते हुए सरकार पर कड़े प्रहार किए। गौरतलब है पिछले सप्ताह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पत्रकार परिषद में तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि केन्द्र सरकार की यह योजना राज्य सरकार की मंजूरी के बाद आगे बढ़े उससे पहले आदिवासी समाज को गुमराह किया गया। सरकार ने आदिवासियों के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। आदिवासी समाज की तापी-पार-नर्मदा लिंक योजना से नाराजगी है। आदिवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार ने तापी-पार-नर्मदा लिंक योजना को रद्द करने का फैसला किया है। अर्थात इस योजना को हमेशा के लिए बंद किया जाता है।

अहमदाबाद से चलने/होकर गुजरने वाली 6 ट्रेनों में अस्थायी अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद से चलने वाली /होकर गुजरने वाली 06 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार अतिरिक्त कोच जोड़े जाने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1. ट्रेन संख्या 22903/22904 बांद्रा टर्मिनस-भुज एसी एक्सप्रेस में तत्काल प्रभाव से 29 मई, 2022 तक बांद्रा टर्मिनस से और तत्काल प्रभाव से 30 मई, 2022 तक भुज से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 09447/09448 अहमदाबाद-पटना क्लोन स्पेशल में 25 मई 2022 को अहमदाबाद से और 27 मई 2022 को पटना से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर और स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 09465/09466 अहमदाबाद-दरभंगा क्लोन स्पेशल में तत्काकल प्रभाव से 27 मई, 2022 तक अहमदाबाद से और तत्काल प्रभाव से 30 मई, 2022 तक दरभंगा से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर और स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर स्पेशल में तत्काल प्रभाव से 03 जून, 2022 तक बांद्रा टर्मिनस से और तत्काल प्रभाव से 04 जून, 2022 तक बाड़मेर से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

5. ट्रेन संख्या 09039/09040 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल में 25 मई से 01 जून, 2022 तक बांद्रा टर्मिनस से और 26 मई से 02 जून, 2022 तक अजमेर से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

6. ट्रेन संख्या 22923/22924 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर एक्सप्रेस में तत्काल प्रभाव से 30 मई, 2022 तक बांद्रा टर्मिनस से और तत्काल प्रभाव से 31 मई, 2022 तक जामनगर से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .हर्ल्बि.ग्र्हीर्हैग्त्,दन्.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बुधवार से कई इलाकों में होगी बारिश

इस साल गुजरात में सामान्य रहेगा मानसून : मौसम विभाग

अहमदाबाद, २३ मई । पश्चिम से उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से अहमदाबाद समेत राज्य में भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। इस बीच मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात समेत कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। अहमदाबाद समेत राज्य के कई हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। लगातार दूसरे दिन मौसम ने करवट ली है। अहमदाबाद समेत कई इलाकों में आज सुबह से आसमान में भारी बादल छाए हुए हैं।

प्रदेश में गर्मी से आंशिक राहत की खबर मिल रही है। मौसम विभाग ने बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। वर्तमान में राज्य में कहीं भी हिटवेव का पूर्वानुमान नहीं है। दक्षिण-पश्चिमी हवा चलने से गर्मी से राहत मिली है। अहमदाबाद समेत राज्य के कई हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। वलसाड, नवसारी, दमन और दादरनगर हवेली में बारिश का अनुमान है। जबकि सूरत और तापी में सामान्य बारिश हो सकती है।

गुजरात में इस बार सामान्य मॉनसून के आसार हैं. वेदर फोरकास्टर स्काईमेट के मुताबिक, गुजरात में मई के अंत तक भीषण गर्मी बनी रहेगी। हालांकि इसमें मामूली बढ़ोतरी या कमी होने की संभवना रहेगी। इसके अलावा, मानसून के २६ मई से केरल पहुंचने की संभावना है. ऐसे में राज्य के अधिकांश हिस्सों में १५ से २० जून के बीच मानसून आने की संभावना है।

साबरकांठा जिले में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई है। लगातार दूसरे दिन जिले में मौसम ने करवट ली है। हिम्मतनगर में सुबह से ही आसमान बादलों से ढका है। जिसकी वजह से भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक राज्य का मौसम इसी तरीके का बना रहेगा।

जीपीएससी को ४ साल में ७ हजार पद भर्ती के लिए कुल ३० लाख आवेदन मिले

डॉक्टर्स को सरकारी नौकरियों में रूचि नहीं है। पीडियाट्रिशियन के १४५ पदों के लिए ३४ आवेदन, रेडियोलोजिस्ट की ४९ पदों के लिए २० आवेदन प्राप्त हुए है।

गांधीनगर, २३ मई । गुजरात सार्वजनिक सेवा आयोग द्वारा पिछले ४ साल में सरकारी कार्यालयों के लिए विभिन्न सेवाओं की लगभग ७ हजार से अधिक घोषित पदों की तुलना में ३० लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। जिससे आयोग को परीक्षा फार्म की फीस से लगभग ५ करोड़ से अधिक की रकम की आवक हुई है।

आरटीआई आवेदन के जवाब में आयोग द्वारा यह जानकारी दी गई है। आरटीआई के जवाब में एक चौंकाने वाली बात भी सामने आई है कि डॉक्टर्स को सरकारी नौकरियों में रूचि नहीं है। पीडियाट्रिशियन के १४५ पदों के लिए सिर्फ ३४ आवेदन जबकि रेडियोलोजिस्ट की ४९ पदों के लिए २० आवेदन ही प्राप्त हुए है।

सरकारी नौकरियों के लिए सबसे कम प्रतिस्पर्धा डॉक्टरों के बीच है। बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने कक्षा-द्व और कक्षा- द्वद्व, पुलिस निरीक्षक, मुख्य अधिकारी आदि पदों के लिए आवेदन किया था। वहीं सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से बताया गया कि माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड द्वारा भर्ती का ऐसा कोई रजिस्टर नहीं रखा जाता है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आरटीआई के जवाब में कहा गया है कि गुजरात गौण सेवा चयन बोर्ड द्वारा पिछले ३ वर्षों में की गई भर्तियों और आयोजित परीक्षाओं के संबंध में कोई रिकॉर्ड / रजिस्टर नहीं रखा गया है। साथ ही जन सूचना अधिकारी को सूचना उसी रूप में देनी होगी जैसी वह है। इस पर संशोधन करने के बाद निष्कर्ष की जानकारी आवेदक को प्रदान नहीं की जानी है ताकि मांगी गई जानकारी नहीं दी जा सके। उल्लेखनीय है कि गौण सेवा चयन बोर्ड लंबे समय से पेपर लीक होने को लेकर विवादों में रहा है।

गुजरात में ८.८% स्नातकोत्तर और ५.३% स्नातक बेरोजगार युवा हैं। राज्य में १५ साल से ऊपर और विभिन्न शिक्षा स्तरों पर २% की औसत बेरोजगारी दर है। डिप्लोमा-सर्टिफिकेट कोर्स में ५.२% युवा बेरोजगार हैं। यह जानकारी २६ जुलाई को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में दी गई थी।

चुनाव में हार के लिए ईवीएम नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ता जिम्मेदार : ग्यासुद्दीन शेख

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने चुनाव में इलेक्शन मैनेजमेंट के अभाव में कांग्रेस चुनाव हार जाती है और हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ती है। जबकि इसके लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता ही जिम्मेदार होते हैं जो मतदान की पूर्व रात्रि को सुबह तक नाश्ता करते हैं वोटिंग के दौरान सो जाते हैं। गौरतलब है देश में कहीं चुनाव हों वह चाहे लोकसभा के हों या विधानसभा के हों, चुनाव हारने वाले राजनीतिक दल ईवीएम का दोष निकालने लगते हैं। हर चुनाव में हार के बाद ईवीएम में दोष निकालने वाली कांग्रेस के नेता ही अब इसके उलट बयान दे रहे हैं। गुजरात कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव हारती है तो उसके लिए कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता जिम्मेदार हैं। रविवार को कांग्रेस विधायक शिवा भूरिया ने कहा था कि कांग्रेस के चुनाव हारने में ईवीएम का दोष नहीं है, बल्कि हम ही कमल का बटन दबा देते हैं। आज कांग्रेस के एक और विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने चुनाव में हार के लिए पार्टी के इलेक्शन मैनेजमेंट और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहरा दिया। उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में ग्यासुद्दीन शेख ने कहा कि कांग्रेस चुनाव प्रबंधन का अभाव है और इसी वजह से कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती। चुनाव हारने के बाद कांग्रेस ईवीएम पर हार ठीकरा फोड़ती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का बूथ मैनेजमेंट और पॉलिंग एजन्टों की निष्क्रियता भी हार के लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस कार्यकर्ता अंतिम दो दिन यानी मतदान के दिन काम नहीं करते और इसकी वजह से कांग्रेस चुनाव हार जाती है। मतदान की अगली रात से सुबह 5 बजे तक कांग्रेस कार्यकर्ता नाश्ता करते हैं और मतदान शुरू होते ही सो जाते हैं। अपने पक्ष में चुनाव नतीजे नहीं आने पर ईवीएम का दोष निकालने वाली कांग्रेस के नेताओं को उनके विधायकों आइना दिखाते हुए हार सच्चाई बयां की है।

15 जून को राजकोट रेल मंडल में पेंशन अदालत का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबन्धित प्रश्नों के त्वरित निपटारे के लिए राजकोट रेल मंडल में 15 जून, 2022 को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अधिक जानकारी देते हुए राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ ने बताया कि यह पेंशन अदालत कोठी कम्पाउण्ड में मंडल रेल प्रबंधक ऑफिस के कॉन्फ्रेंस रूम, राजकोट में सुबह 11.00 बजे आयोजित की जायेगी। राजकोट मंडल के सभी पेन्शनर्स, फेमीली पेन्शनर्स जिन्हें पेंशन संबंधीत कोई भी शिकायत है, वे वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सेटलमेंट सेक्शन, मंडल कार्यालय, कोठी कम्पाउन्ड, राजकोट, 360001 के पते पर कवर पर 'पेंशन अदालत 2022' लिखकर अपने नाम व एड्रैस के साथ भेज सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री मनीष मेहता के अनुसार आवेदक अर्जी भेजते समय सेवा निवृत्ति की तारीख, पदनाम, विभाग, स्टेशन, मोबाइल नंबर व पेंशन पे ऑर्डर की कॉपी तथा संक्षिप्त में अपनी शिकायत का विवरण लिखकर उपरोक्त पते पर 31 मई, 2022 तक भेज सकते हैं।

56 नोटों के साथ इंजीनियरिंग के एक छात्र को किया गिरफ्तार ,पाक के कनेक्शन संदेह

1 लाख नकली नोट बाजार में बेचने पर आरोपी को 10 हजार रुपए मिलते थे, आरोपी ने 42 के नोट पार कर स्मार्टफोन और सोना खरीदा

एक बैंक से मिले 2000 रुपये के 42 जाली नोट, कैशियर भी नहीं पकड पाया नकली नोट को

अहमदाबाद : अहमदाबाद शहर में जाली नोटों के चलन की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। जिसमें नकली नोटों को सर्कुलेट करने का नया तरीका सामने आया है। 42 नकली नोट बैंक पहुंचे और बैंक के कैशियर को भी इसकी सूचना नहीं दी गई। क्राइम ब्रांच ने ऐसे कुल 98 नोट जब्त किए हैं और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस वारदात का मास्टरमाइंड अभी फरार है। जिसकी पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने सोला निवासी दिलीप केशवाला नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। दिलीप के पास से 2000 के 56 जाली नोट बरामद हुए हैं। उसे पहले 42 नकली नोटों की मदद से एक मोबाइल फोन और सोना खरीदते हुए पाया गया था। क्राइम ब्रांच ने बैंक से 42 नोट बरामद किए हैं। यानी अलग-अलग जगहों से कुल 1.96 लाख जाली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि ये सभी नोट उच्च गुणवत्ता के हैं। अधिकांश सुरक्षा विशेषताएं भी हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन नोटों का पाकिस्तान से कनेक्शन है।

प्रतिवादी ने नकली नोटों को बाजार में परिचालित करने के लिए एक नया तौर-तरीका शुरू किया। जिसमें सोशल मीडिया पर डमी सिम कार्ड की मदद से ऑनलाइन सेवा के बहाने एक ग्रुप बनाया गया और उस ग्रुप के सदस्यों को कुली बनाकर पार्सल में नकली नोट भेजकर महंगे मोबाइल और उसके आधार पर सोना खरीदा गया। उनको बाद में सस्ती कीमत पर बेचा गया और मूल नोटों को आंगडीया फर्म में और वहां से बिटकॉइन में निवेश किया गया। हालांकि गिरफ्तार आरोपी दिलीप से पूछताछ के दौरान वह न तो मुख्य आरोपी से मिला और न ही उससे बात की। वहीं आरोपी को 1 लाख रुपये के जाली नोट चलाने के लिए 10 हजार रुपये मिलते थे। गौरतलब है कि पिछले 6 महीने से नकली नोटों का जाल बाजार में घूम रहा है। गिरफ्तार आरोपी दिलीप 5 महीने से संलिप्त था। वहीं, इस अपराध का मास्टरमाइंड भी अहमदाबाद का ही पाया गया है। हालांकि क्राइम ब्रांच अब इस बात की जांच कर रही है कि क्राइम में और कितने लोग शामिल हैं और ग्रुप में कितने नंबर हैं। इसने केंद्रीय एजेंसियों के साथ एक जांच भी शुरू की है कि क्या नकली नोट पाकिस्तान से आए थे।

हार्दिक पटेल के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा

वडोदरा, २३ मई । विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर पार्टी को बड़ा झटका दिया है। इस बीच गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर का इस मुद्दे पर बड़ा बयान सामने आया है। उनके मुताबिक हार्दिक के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा हमारा पाटिदार वोट सुरक्षित है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने दावा किया कि हार्दिक के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस के पाटीदार वोट को कोई नुकसान नहीं होगा। मैं नहीं मानता कि हार्दिक के जाने से कांग्रेस को नुकसान होगा। उन्होंने जोर देकर कहा, "मुझे दिखाओ कि हार्दिक के जाने के बाद से एक भी पाटीदार नेता ने कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ी है, किसी ने नहीं छोड़ा है." हमारा पूरा कैडर बरकरार है। एसपीजी नेता लालजी पटेल के बयान के मामले में भी जगदीश ठाकोर ने कहा कि सभी समाज संकट में हैं, भाजपा ने युवाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए हैं। सरकार को इन सभी मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा जगदीश ठाकोर ने यह भी कहा कि भाजपा केवल धर्म की बात करती है। लेकिन उसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। गुजरात में भाजपा के राज में मंदिरों को तोड़ा जा रहा है।

दमन के जामपोर बीच पर हादसा

पैरासेलिंग कर रहे दो पर्यटक और ट्रेनर गिरे, तीनों की हालत गंभीर

दमन, २३ मई । संघ प्रदेश दमन के जामपोर बीच पर सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहां पैरासेलिंग के दौरान पैराशूट नीचे गिर गया। हादसे में दो पर्यटक और एक ट्रेनर गंभीर रूप से घायल गए। तीनों को वापी के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मौके पर मौजूद एक पर्यटक ने इसका वीडियो बना लिया था, जो अब वायरल हो रहा है।

पैराशूट का ट्रेनर दोनों सैलानियों को लेकर हवा की दिशा में उड़ा था। लेकिन इसी दौरान कुछ ही ऊंचाई पर हवा की दिशा पलट गई और पैराशूट अनियंत्रित हो गया। इस दौरान बीच पर सैकड़ों की तादाद में पर्यटक जमा थे। हादसे के बाद बीच पर हड़कंप मच गया।

गुजरात के वलसाड जिले से लगे हुए दमन में हर साल बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या गुजरातियों की ही होती है। कोरोना के चलते पिछले दो सालों से बीच बंद थे। इसके चलते इस बार यहां पर्यटकों की जबर्दस्त भीड़ है।

बता दें कि मानसून की शुरुआत के पहले हवा की गति बढ़ जाती है और दिशा में लगातार बदलाव आते रहते हैं। इसके चलते इस मौसम में पैरासेलिंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स को बंद रखे जाते हैं। लेकिन कुछ लोग पैसों के लालच में खतरनाक खेल खेलना जारी रखते हैं।

गुजरात : एसटी की असुरक्षित सवारी, बस बंपर पर कूदी, महिला की रीढ की हड्डी हुई फ्रैक्चर

वासणा की महिला गांधीनगर से वापस लौट रही थी तभी एनआईडी के पास हुई घटना

एसटी बस चालक के खिलाफ पुलिस में शिकायत, लापरवाही से बस ड्राइवींग करने पर शितलबेन के पीठ के निचले हिस्से में फेक्चर हुआ

बंपर कुदाने से बस की अंतिम सीट पर बैठी शितलबेन अचानक उछल गई और खिड़की की जाली से टकराकर वापस सिट पर गिर गयी

वासना में देर शाम गांधीनगर से आ रही एसटी बस के चालक ने बंपर कुदाने पर पीछे की सीट पर बैठी 37 वर्षीय महिला की कमर में जोरदार झटका लगा। घटना को लेकर महिला ने बस चालक के खिलाफ ट्रैफिक थाने में शिकायत दर्ज कराई है। 37 वर्षीय शीतलबेन सागर परिवार के साथ वासना रामकृष्ण कॉलोनी में रहती हैं। वह और उनके भाई पिछले 10 वर्षों से अनुबंध के आधार पर गांधीनगर सचिवालय में लेखाकार के रूप में काम कर रहे हैं। 19 मई की शाम शीतलबेन अपने भाई के साथ गांधीनगर से एसटी बस की आखिरी सीट पर बैठी थीं। जैसे ही एसटी बस पालड़ी और एनआईडी थी लेन से गुजर रही थी, बस के चालक ने लापरवाही से बस चलाकर रास्ते में आए बंपर को कुदा दिया। जिसके कारण बस की अंतिम सीट पर बैठी शितलबेन अचानक उछल गई और उनका सिर बस की जाली से टकराकर वह वापस सीट पर गीर गयी।

एसटी बस की गैरजिम्मेदाराना ड्राइविंग की चपेट में आई शीतलबेन को पीठ में चोटें आई हैं। नतीजतन, उसके दोनों पैर सुन्न हो गए और वह हिल नहीं सकती थी। उसे उसके भाई और पिता इलाज के लिए एसवीपी 108 ले गए, जहां पता चला कि इलाज के दौरान उसकी पीठ के निचले हिस्से में एक मनका फ्रैक्चर था। शीतलबेन ने घटना को लेकर चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

हार्दिक पटेल के जाने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ेगा : जगदीश ठाकोर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर ने दावा किया है कि हार्दिक पटेल के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ना ही कांग्रेस के पाटीदार वोट का कोई नुकसान होगा। मुझे भरोसा है कि हार्दिक पटेल के जाने से कांग्रेस को कोई नुकसान नहीं होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हार्दिक पटेल के बाद एक भी पाटीदार नेता ने कांग्रेस का साथ नहीं छोड़ा।

बीएसएच होम अप्लायंसेज़ की ओर से भारत का पहला फ्लेक्सिबल रेफ्रिजरेटर: बॉश मैक्स फ्लेक्स

बीएसएच होम अप्लायंसेज़ ने ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ विकसित भारत के प्रथम, भारत में निर्मित इनोवेशन की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की

अपनी निर्माण क्षमता को मजबूत करने के लिए बीएसएच का भारत में निवेश जारी

अहमदाबाद, मई 20, 2022: दुनिया की अग्रणी होम अप्लायंसेज़ कंपनियों में से एक, बीएसएच होम अप्लायंसेज़ ने हाल ही में रेफ्रिजरेटर्स की नई श्रृंखला - बॉश मैक्स फ्लेक्स का लॉन्च किया है। भारतीय घरों की जरूरतों के अनुरूप विकसित की गई घरेलू रेफ्रिजरेटर्स की यह नई श्रृंखला स्टोरेज के लचीलेपन की एक बड़ी जरूरत का समाधान करेगी। बीएसएच की 'मेक इन इंडिया' की प्रतिबद्धता के साथ रेफ्रिजरेटर की यह श्रृंखला चेन्नई में कंपनी के स्वामित्व के निर्माण संयंत्र में बनाई जाएगी।

बॉश मैक्स फ्लेक्स फ्रीजर भारत का पहला लचीला रेफ्रिजरेटर है, जिसमें एक अद्वितीय थर्ड डोर कंपार्टमेंट है, जिसे यूज़र की जरूरत के अनुरूप फ्रिज या फ्रीज़र की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अत्यधिक गर्मी व आर्द्रता वाले देशों में मौसम के परिवर्तन के कारण रेफ्रिजरेटर की जरूरतें भी बदलती रहती हैं, जिनके लिए बॉश का मैक्स फ्लेक्स सबसे उत्तम विकल्प होगा।

उत्पाद के लॉन्च के साथ ही, बीएसएच ने अपना लेटेस्ट कैम्पेन क्षत×ंगतथ्र्वैदेम्प् भी लॉन्च किया। इस फिल्म में भिन्न-भिन्न पहलू दिखाए गए हैं, जिनमें परिवार बॉश मैक्सफ्लेक्स को फ्रीज़र, फ्रिज, ड्राई स्टोरेज या फ्रेश स्टोरेज स्पेस आदि में बदलकर अपनी विभिन्न जरूरतें पूरी करते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95